# घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 150- गुरूवार 02- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

## जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में एक आतंकी ढेर....

**श्रीनगर,01 अप्रैल 2026।** जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सेना ने बुधवार सुबह एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। यह ऑपरेशन मंगलवार रात से जारी था। एक अधिकारी ने बताया कि खास इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर,पुलिस और सेना की एक जॉइंट टीम ने मंगलवार शाम को घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एक आतंकी के छिपे होने की जानकारी मिली। अंधेरे की वजह से ऑपरेशन रोक दिया गया था। सुबह आतंकी को मार गिराया गया। इससे पहले फरवरी में सेना ने जम्मू-कश्मीर में 6 आतंकवादियों को मार गिराया था। किश्तवाड़ के चतरू में 3 आतंकी ढेर हुए थे। वहीं 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

## बंगाल चुनाव से पहले आसनसोल में दंगे कराने की साजिश...दिनदहाड़े तोड़े गए 200 साल पुराने मंदिर,शहर छावनी में तब्दील

**कोलकाता/आसनसोल,01 अप्रैल 2026।** पश्चिम बंगाल के आसनसोल में 200 वर्ष पुराने एक मंदिर को असामाजिक तत्वों ने चुनाव से पहले माहौल बिगाड़ने के लिए मूर्तियों को तोड़फोड़ दिया। मंदिर के भीतर स्थापित मां काली,भगवान शिव और संकटमोचन हनुमान जी की प्राचीन मूर्तियों खंडित कर दिया। जैसे-जैसे यह खबर फैली,पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया और देखते ही देखते गुस्साए लोगों का हुजूम मंदिर के बाहर जमा होने लगा। घटना के विरोध में गुस्से का उबाल सड़कों पर साफ नजर आया। विधायक अग्निमित्रा पॉल के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों और बीजेपी समर्थकों ने भैरव बाबा स्थान से एक बड़ा विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने आसनसोल की लाइफलाइन कहे जाने वाले जीटी रोड को पूरी तरह जाम कर दिया और बीच सड़क पर टायर जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। हंगामे के चलते घंटों तक ट्रैफिक ठप रहा और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। पुलिस बल के साथ-साथ केंद्रीय बलों की भी तैनाती की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। फिलहाल,पुलिस दोषियों की पहचान करने में जुटी है। बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर में एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं था, जिससे आरोपियों की मुश्किल हो गई है। लेकिन, स्थानीय लोग केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहते हैं।

## यूपी के आईएएस अफसर रिंकू सिंह राही ने दिया इस्तीफा,बोले- ना पोस्टिंग मिली,ना काम

**लखनऊ,01 अप्रैल 2026।** उत्तर प्रदेश कैडर के 2022 बैच के आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस फैसले से प्रशासनिक गलियारों में हलचल मच गई है। रिंकू सिंह ने कहा कि लंबे समय से ना पोस्टिंग मिल रही ना काम मिल रहा है। रिंकू सिंह राही लंबे समय से राजस्व परिषद में अटैच थे और उन्हें सक्रिय रूप से काम करने का अवसर नहीं मिल रहा था। इससे पहले एसडीएम रहते पुवायां तहसील में सफाई को लेकर उनके सख्त कदम और खुद उठक-बैठक करने का मामला भी चर्चा में रहा था। सूत्रों के मुताबिक, राही ने अपने इस्तीफे में कहा है कि राज्य में 'संवैधानिक व्यवस्था के समानांतर एक अलग सिस्टम' काम कर रहा है, जिसके चलते वे अपनी भूमिका सही ढंग से निभा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें वेतन तो मिल रहा है, लेकिन जनसेवा का वास्तविक अवसर नहीं मिल रहा है। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने अपने इस्तीफे को नैतिक निर्णय बताया है। रिंकू सिंह राही ने 28 जुलाई शाहजहांपुर जिले की पुवायां तहसील में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में कार्यभार संभाला था। अगले ही दिन तहसील परिसर के निरीक्षण के दौरान उन्होंने जगह-जगह फैली गंदगी, गंदे शौचालय और एक वकील के मुंशी को खुले में पेशाब करते हुए देखा। इस पर नाराज होकर एसडीएम ने मौके पर ही उस व्यक्ति को उठक-बैठक लगाने की सजा दी, जिससे वकीलों में नाराजगी फैल गई।

## आईटी सेक्टर में हाहाकारः ओरेकल ने भारत समेत दुनियाभर में शुरू की बड़ी छंटनी,30 हजार कर्मचारियों की जाएगी

**नई दिल्ली,01 अप्रैल 2026।** टेक इंडस्ट्री से एक बहुत ही परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। डेटाबेस मैनेजमेंट की दिग्गज अमेरिकी कंपनी ओरेकल कॉरपोरेशन ने बड़े पैमाने पर छंटनी का एलान किया है। कंपनी वैश्विक स्तर पर लगभग 30,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा रही है,जिसका सबसे बड़ा असर भारत में देखने को मिल रहा है। बता दें कि ओरेकल के लिए भारत एक बड़ा केंद्र है, जहां कंपनी के कुल 30,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से करीब 12,000 कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इस छंटनी की जद में कंपनी का मानव संसाधन विभाग भी आ गया है। अगले एक महीने के भीतर लेऑफ का एक और बड़ा दौर आने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, लैरी एलिसन के नेतृत्व वाली ओरेकल खुद को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रेस में बनाए रखने के लिए भारी निवेश कर रही है। कंपनी अपनी पुरानी कार्यप्रणाली को बदलकर पूरी तरह एआई आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर पर शिफ्ट होना चाहती है। मई 2025 तक कंपनी में करीब 1,62,000 कर्मचारी थे, लेकिन अब खर्च कम करने के लिए वर्कफोर्स में बड़ी कटौती की जा रही है।

# विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगा असम का यह चुनाव : पीएम मोदी

**असम, 01 अप्रैल 2026।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां एक चुनावी जनसभा में असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की हैट्रिक का दावा किया। उन्होंने असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने, आदिवासी संस्कृति की सुरक्षा, बाढ़ से राहत, बुनियादी ढांचे के विस्तार और गरीब कल्याण योजनाओं को लेकर कई बड़े वादे किए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि असम का चुनाव 'विकसित असम से विकसित भारत' बनाने का चुनाव है। मोदी ने धेमाजी जिले के गोगामुख की चुनावी जनसभा में कहा कि जनता का उत्साह साफ संकेत दे रहा है कि इस बार राज्य में भाजपा-नीत राजग सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगी। उन्होंने कहा कि यह उनकी असम में चुनाव घोषणा के बाद पहली जनसभा है और यहां उमड़ी भीड़ 'हैट्रिक' की गारंटी दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया जाएगा, लेकिन साथ ही छठी अनुसूची क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों की परंपराओं और संस्कृति की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने इसे 'असम की पहचान को बचाने का बड़ा संकल्प' बताया और कहा कि भाजपा अपने वादों को पूरा करने के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राज्य ने 'सेवा और सुशासन' का नया दौर देखा है।

### पीएम बोले- कांग्रेस आजाद भारत में भ्रष्टाचार की जननी है

मोदी ने कहा कि साथियों, पूरा देश जानता है कि कांग्रेस विकास विरोधी है। कांग्रेस ने असम के अलग अलग जिलों में हजारों बीघा जमीन पर अवैध कब्जे होने दिए, वोट बैंक को बचाने के लिए ऐसा किया। यहां कीर्तन, भागवत से समाज का जुड़ाव होता। वहां कांग्रेस ने घुसपैठियों को बसा दिया। आज बीजेपी इनके खिलाफ एक्शन ले रही है। बीते 11 साल में जमीनों से अवैध कब्जे हटाए हैं।

पहले सर्वानंद सोनोवाल और फिर हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में राज्य में विकास की नई दिशा बनी है। मोदी ने कहा कि असम का यह चुनाव केवल राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत के निर्माण से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने गरीब कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में असम के 22 लाख से अधिक गरीब परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। भाजपा के घोषणा पत्र में उन सभी परिवारों को घर देने का वादा किया गया है, जिन्हें अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि भविष्य में 15 लाख और परिवारों को पक्का घर देने की गारंटी है। महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने 'लखपति दीदी' अभियान का जिक्र किया।

## डिब्रूगढ़ के मनोहारी चाय बागान में प्रधानमंत्री मोदी ने तोड़ी चाय की पत्तियां

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार सुबह डिब्रूगढ़ के मनोहारी चाय बागान का दौरा किया, जहां उन्होंने चाय की पत्तियां तोड़कर असम के चाय उद्योग के महत्व को रेखांकित किया। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने चाय बागान की महिला व अन्य श्रमिकों के साथ बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों के साथ संवाद करते हुए उनके योगदान की सराहना की। यह संवाद क्षेत्र के चाय बागान श्रमिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, उनकी मजदूरी तथा उनके पास आयुष्मान कार्ड है या नहीं, इसकी जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि चुनावी प्रचार अभियान में भाग लेने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार रात डिब्रूगढ़ पहुंचे। रात 8:40 बजे मोदी मोहनबाड़ी हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद प्रधानमंत्री विशाल काफिले के साथ मोहनबाड़ी हवाई अड्डे से मनोहारी रिजॉर्ट की ओर रवाना हुए। मोदी ने रात मनोहारी रिजॉर्ट में बिताई। प्रधानमंत्री मोदी धेमाजी और लखीमपुर जिले के उम्मीदवारों के लिए चुनावी प्रचार करेंगे।

## प्रीमियम ईंधन ने फिर बढ़ाई टेंशन! XP100 पेट्रोल 11 महंगा,Xtra Green डीजल के दाम भी बढ़े

**नई दिल्ली,01 अप्रैल 2026।** देश में एक बार फिर ईंधन की बढ़ती कीमतों ने वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। सरकारी तेल कंपनी Indian Oil Corporation ने अपने प्रीमियम फ्यूल सेगमेंट में बड़ा बदलाव करते हुए XP100 पेट्रोल और Xtra Green डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। नई दरें आज से लागू हो गई हैं, जिससे हाई-परफॉर्मेंस और प्रीमियम व्हीकल इस्तेमाल करने वालों को सीधा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में XP100 पेट्रोल की कीमत 149 रुपये से बढ़कर 160 रुपये प्रति लीटर हो गई है, यानी इसमें सीधे 11 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। वहीं Xtra Green प्रीमियम डीजल भी 91.49 रुपये से बढ़कर 92.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। यह बढ़ोतरी फिलहाल IOCL के प्रीमियम ईंधन आउटलेट्स पर लागू की गई है। XP100 पेट्रोल खासतौर पर उन वाहनों के लिए बनाया गया है जिनमें हाई ऑक्टेन फ्यूल की जरूरत होती है, जैसे लग्जरी कारें,सुपरबाइक्स और हाई-कम्प्रेशन इंजन वाले वाहन। ऐसे में जिन ग्राहकों ने बेहतर इंजन परफॉर्मेंस,स्मूद ड्राइविंग और नॉक-फ्री रनिंग के लिए इस ईंधन को चुना था।

## अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने का बिल लोकसभा से पारित,भाजपा-कांग्रेस ने दिया समर्थन

**नई दिल्ली,01 अप्रैल 2026।** अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी और एकमात्र राजधानी के रूप में मान्यता देने वाला बिल बुधवार को लोकसभा से पारित हो गया। भाजपा और तेदेपा के साथ ही कांग्रेस ने भी इस बिल का समर्थन किया। हालांकि आंध्र प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी वाईएसआरसीपी ने इस बिल का विरोध किया। लोकसभा में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 पर बहस शुरू करते हुए कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से बिल का समर्थन करती है, लेकिन राज्य को विशेष दर्जा भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,'अमरावती को बंगलूरू, चेन्नई या हैदराबाद की तरह विकसित किया जाए। विशाखापत्तनम, तिरुपति और कुर्नूल को भी विकसित किया जाए। हम अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी मानते हैं।'

**पहली बार किसी जगह को राजधानी बनाने का विधेयक संसद में पेश :** आंध्र प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी तेदेपा के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी ने भी सदन से अपील की कि बिल को सर्वसम्मति से पास किया जाए ताकि आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी मिल सके। भाजपा सांसद सीएम रमेश ने कहा कि यह आजाद भारत के इतिहास में पहली बार है जब संसद में किसी स्थान को राज्य की राजधानी घोषित करने के लिए विधेयक पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि अमरावती को स्थायी राजधानी बनाने से कोई इसे बदल नहीं सकेगा। उन्होंने पूर्व की वाईएसआरसीपी की सरकार द्वारा तीन राजधानियों की योजना को तर्कहीन और अव्यवहारिक बताया। वहीं,वाईएसआर कांग्रेस के सांसद पीवी मिधुन रेड्डी ने बिल का विरोध करते हुए कहा कि किसानों के हितों की सुरक्षा और मुआवजे की स्पष्ट समयसीमा के बिना इस बिल का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि अमरावती विकास के लिए राज्य सरकार ने 34,000 एकड़ भूमि अधिग्रहित की थी। जिसके लिए किसानों को रिहायशी प्लॉट आदि देने का वादा किया गया था,लेकिन अभी तक किसानों को इसका फायदा नहीं मिला।

### आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की साझा राजधानी थी हैदराबाद

विधेयक में कहा गया है कि 2014 के आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, हैदराबाद 10 साल तक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की साझा राजधानी थी। इसके बाद तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद होगी और आंध्र प्रदेश के लिए नई राजधानी होगी। बिल के लागू होने के बाद अमरावती कानूनी रूप से आंध्र प्रदेश की राजधानी होगी।

## देश में तेल की कीमतें स्थिर,सरकार ने दिया पर्याप्त आपूर्ति का भरोसा

**नई दिल्ली,01 अप्रैल 2026।** पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और अगले दो महीनों के लिए क्रूड ऑयल आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था कर ली है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता में कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल के बीच भारत सरकार ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत ने अपनी ईंधन और कृषि आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक गैस के संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं और सीएनजी परिवहन के लिए 100 फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने पीएनजी नेटवर्क का विस्तार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि मार्च महीने में लगभग 3,25,000 कनेक्शनों को गैस की आपूर्ति की गई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू उपभोक्ताओं को बचाने के लिए भारत सरकार ने ईंधन की कीमतों में किसी भी बढ़ोतरी को रोकने के लिए एक्साइज ड्यूटी कम कर दी है। इन कोशिशों के जरिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रखी गई हैं, जिसके चलते सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस मार्केटिंग कंपनियों को दोनों ईंधनों पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। शर्मा ने कहा कि घरेलू बाजार में एफटीए और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने एक्सपोर्ट लेवी भी लगाई है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे घबराहट में खरीदारी न करें। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में संयुक्त सचिव असंगबा चुबा ने कहा कि आज सुबह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एफटीए) की कीमतों को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण घोषणा की गई। भारतीय विमानन उद्योग ने भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण और रणनीतिक फैसले का स्वागत किया है।

## कर्मचारी भविष्य निधि संगठन अधिकारी और सुरक्षा सहायक गिरफ्तार,सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

**जम्मू,01 अप्रैल 2026।** केंद्रीय जांच ब्यूरो ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के एक क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त और एक वरिष्ठ सुरक्षा सहायक को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तब हुई जब अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से अवैध तरीके से पैसे लेने की कोशिश की। सूत्रों के अनुसार, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने शिकायतकर्ता से अपने स्कूल के खिलाफ किसी प्रतिकूल कार्रवाई न करने और भारी जुर्माना न लगाने के एवज में 1.50 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और जाल बिछाया। इस दौरान वरिष्ठ सुरक्षा सहायक को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इसके बाद सीबीआई ने आरोपी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी अब कानून के मुताबिक कार्रवाई के तहत हैं और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने कहा कि रिश्वत लेना और देना गंभीर अपराध है और इसके लिए कड़ी सजा हो सकती है।

## अशोक खरात के मोबाइल ने खोली 45 नेताओं की पोल,नासिक से मुंबई तक मचा हड़कंप

**नई दिल्ली,01 अप्रैल 2026।** महाराष्ट्र के नासिक में 'ढोंगी बाबा' अशोक खरात के यौन शोषण मामले की जांच जैसे-जैसे गहरा रही है,राज्य की राजनीति में भूचाल आता दिख रहा है। विशेष जांच दल को फॉरेंसिक टीम से प्राप्त मोबाइल क्लोन डेटा की विस्तृत रिपोर्ट में बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र के लगभग 40 से 45 कद्दावर राजनीतिक नेता खरात के नियमित और सीधे संपर्क में थे। इन डिजिटल सबूतों ने स्पष्ट कर दिया है कि खरात का रसूख केवल धार्मिक प्रवचनों तक सीमित नहीं था, बल्कि सत्ता की सीढ़ियों तक उसकी गहरी पैठ थी। इस खुलासे के बाद कई बड़े नामों के चेहरे बेनकाब होने का डर सताने लगा है। जांच के दौरान पुलिस को डिजिटल साक्ष्यों के माध्यम से पता चला है कि अशोक खरात बेहद शातिर तरीके से अपना नेटवर्क चला रहा था। उसने अपने मोबाइल में कई प्रभावशाली राजनेताओं और रसूखदार व्यक्तियों के नंबर असली नाम के बजाय 'कोडवर्ड' में सेव कर रखे थे। एसआईटी की तकनीकी टीम अब इन गुप्त कोड्स को डिकोड करने की चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया में जुटी है ताकि संबंधित व्यक्तियों की सटीक पहचान की जा सके। सूत्रों की मानें तो इन नंबरों के पीछे सत्ताधारी और विपक्षी,दोनों ही गुटों के दिग्गज शामिल हो सकते हैं।

## सिद्धगंगा मठ की सेवा देश के विकास के लिए प्रेरणा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

**तुमकुरु,01 अप्रैल 2026।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सिद्धगंगा मठ ने देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और गरीब एवं अनाथ बच्चों को शिक्षा व आश्रय देकर मानवीय मूल्यों को मजबूत किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार क़ो कर्नाटक के तुमकुरु स्थित सिद्धगंगा मठ के वस्तु प्रदर्शनी मैदान में आयोजित श्री श्री शिवकुमार स्वामीजी की 119वीं जयंती समारोह क़ो सम्बोधित कर रही थींद्य उन्होंने कहा कि मठ की सेवा परंपरा पूरे देश के लिए आदर्श है।

सिद्धगंगा मठ आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। दासोह और शिक्षा के माध्यम से मठ ने गरीब बच्चों के जीवन में उजाला लाया है। 'दया ही धर्म का मूल है' इस सिद्धांत को मठ ने वास्तविक रूप से अपनाया है। उन्होंने कहा कि वीरशैव-लिंगायत मठों में सिद्धगंगा मठ का विशेष स्थान है और यह निरंतर सेवा कार्यों के कारण अग्रणी बना हुआ है। इस अवसर पर सिद्धलिंग स्वामीजी ने कहा कि शिवकुमार स्वामीजी का जीवन त्याग और सेवा का प्रतीक था। गरीब और बालिकाओं को शिक्षा देना ही उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य था। उनकी उपलब्धियां किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। इस मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गेहलोत ने कहा कि मानव कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले शिवकुमार स्वामीजी की सेवा अद्वितीय है। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत को अपने जीवन में उतारा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि शिवकुमार स्वामीजी अनाथ बच्चों के लिए पिता समान थे और मानवता के प्रतीक थे। वे मनुष्य से महादेव बने। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि सिद्धगंगा मठ केवल धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि शिक्षा और सामाजिक क्रांति का केंद्र है। त्रिविध दासोह के माध्यम से मठ को विश्व प्रसिद्धि मिली है। कार्यक्रम के दौरान मठ की ओर से राष्ट्रपति को बसवन्ना की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार के कई मंत्री एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## संपादकीय

# ध्वस्त हुआ लाल गलियारे का सपना

**भारत नेपाल के आर्थिक विकास में सहयोग करे ताकि विदेशी ताकतें भारत विरोध को हवा न दे सकें। राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से दोनों देशों का मधुर संबंध आज के समय की मांग है...**

लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह की ओर से दिए गए इस कथन को चुनौती देना कठिन है कि मैं कह सकता हूं कि हम माओवाद से मुक्त हो चुके हैं। माओवाद के अंतिम सांसें गिनने की स्थिति में पहुंचने के साथ ही माओवादियों के लाल गलियारा बनाने का सपना चकनाचूर हो गया। माओवादियों द्वारा भारत में लाल गलियारे की संकल्पना असल में चीनी विस्तारवाद का ही एक हिस्सा था।

यह गलियारा नेपाल से शुरू होकर भारत के बिहार,बंगाल,झारखंड,ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश होते हुए कर्नाटक तक फैला हुआ था। एक समय में माओवादियों ने देश के लगभग 100 जिलों में अपनी समानांतर सरकारें स्थापित कर ली थीं। उस दौर में मेरे नेता माओ जैसे नारे दीवारों पर लिखे जाते थे। उस स्थिति के उलट 31 मार्च की समयसीमा के अनुसार भारत में माओवादियों में आत्मसमर्पण की होड़ दिखी।

भारत से इतर नेपाल के परिदृश्य को देखा जाए तो 1994 में माओवादियों ने वहां सशस्त्र संघर्ष शुरू किया। सरकार को मजबूरन उनके साथ समझौता करना पड़ा। 25 मई 2006 को नेपाल सरकार और माओवादियों के बीच युद्धविराम हुआ। इस युद्धविराम को लेकर उनकी कुछ प्रमुख शर्तें थीं। इनमें नेपाल में राजशाही का अंत,संसदीय लोकतंत्र की स्थापना,नया संविधान, माओवादियों के हिंसक दस्ते पीएलए की सेना में भर्ती और हिंदू राष्ट्र रहे नेपाल को एक सेक्युलर देश बनाने जैसी शर्तें शामिल थीं।। चीन का समर्थन प्राप्त करने के लिए नेपाल के माओवादी भारत विरोध का एजेंडा चलाते थे। उनके साहित्य में भारत को एक अजगर सांप के रूप में दर्शाया गया था, जो सिक्किम और नेपाल को हड़पने की कोशिश कर रहा था।

यह दुष्प्रचार इसलिए प्रभावी था, क्योंकि नेपाल के लोग भारत की तुलना में अपने देश को गरीब और पिछड़ा मानते थे। माओवादी चीन के विकास की प्रशंसा करते हुए नेपाल को चीन के करीब ले गए। इसी क्रम में नेपाल के माओवादी नेता सत्या और भारत के माओवादी नेता आजाद ने 8 अगस्त 2006 को एक बयान जारी किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि दोनों का आपसी गठबंधन है।

# उज्ज्वला का उजाला या आपूर्ति का अंधेरा?

**हालिया एलपीजी संकट ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी महत्वाकांक्षी कल्याणकारी पहलों की चमक धूमिल कर दी है...मार्च 2026 में पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न यह संकट,जब ईरान-इजरायल-अमेरिका संघर्ष ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिया,तब भारत की लगभग 60 प्रतिशत आयात निर्भरता पूरी तरह उजागर हो गई...दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता देशों में शामिल भारत में अचानक सिलेंडरों की लंबी कतारें दिखने लगीं,ग्रामीण महिलाओं के रसोईघर ठंडे पड़ गए और व्यावसायिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुईं...उज्ज्वला योजना ने 10 करोड़ से अधिक कनेक्शन वितरित कर स्वच्छ ईंधन क्रांति का दावा किया था,किंतु इस संकट ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल विस्तार ही प्रभावी वितरण की गारंटी नहीं होता...घरेलू उत्पादन मांग के मुकाबले अपर्याप्त रहा,भंडारण क्षमता महज पांच दिनों की साबित हुई और आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता खुलकर सामने आ गई...**

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का प्रारंभ 2016 में धुएं से मुक्ति के एक आकर्षक और मानवीय स्वप्न के साथ हुआ था। लकड़ी और कोयले के चूल्हों से उत्पन्न स्वास्थ्य संकट को कम करने के उद्देश्य से गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। योजना का विस्तार तीन चरणों में हुआ—प्रथम चरण में 5 करोड़, द्वितीय में 6 करोड़ और तृतीय में अतिरिक्त लक्ष्य निर्धारित किए गए। परिणामस्वरूप एलपीजी कवरेज 95 प्रतिशत से अधिक हो गया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। किंतु हालिया संकट ने रिफिल दरों की वास्तविकता को उजागर कर दिया। औसतन लाभार्थी प्रति वर्ष केवल 3 से 4 बार ही सिलेंडर रिफिल कराते हैं, जबकि निरंतर उपयोग के लिए कम से कम 8 से 10 रिफिल आवश्यक होते हैं। सब्सिडी के बावजूद 600 से 800 रुपये की लागत दैनिक मजदूरी पर निर्भर परिवारों के लिए भारी पड़ती है। परिणामस्वरूप,अनेक परिवार पुनः पारंपरिक ईंधनों की ओर लौट जाते हैं। सिलेंडर घरों में ÷आपातकालीन विकल्प÷ बनकर रह जाता है, न कि नियमित उपयोग का साधन।

एलपीजी संकट ने केवल मांग और कीमत का ही प्रश्न नहीं उठाया, बल्कि भारत की आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को भी उजागर कर दिया। घरेलू उत्पादन मांग के मुकाबले कम है, भंडारण क्षमता सीमित है और आयात बाधित होते ही वितरण तंत्र चरमरा जाता है। पूर्वोत्तर राज्यों में भौगोलिक चुनौतियों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। यह स्पष्ट हो गया कि ऊर्जा सुरक्षा के बिना कल्याणकारी योजनाएं केवल कागजी उपलब्धियां बनकर रह जाती हैं।

डिजिटल प्रणालियों ने पारदर्शिता तो बढ़ाई है, किंतु डिजिटल विभाजन ने

बड़ी संख्या में लोगों को बाहर भी कर दिया है। ग्रामीण भारत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों से वंचित है,जिससे रिफिल बुकिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाएं उनके लिए कठिन बनी रहती हैं। इस प्रकार,जो व्यवस्था समावेशन के लिए बनाई गई थी,वही कई बार बहिष्करण का कारण बन जाती है।

यह समस्या केवल उज्ज्वला योजना तक सीमित नहीं है,बल्कि भारत की व्यापक कल्याणकारी संरचना की कमजोरी को भी उजागर करती है। देश में अनेक योजनाएं सुभेद्य वर्गों को लक्षित करती हैं,किंतु जागरूकता के अभाव, दस्तावेजी जटिलताओं,भ्रष्टाचार और निगरानी की कमी के कारण उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। अधिकांश योजनाएं अल्पकालिक राहत तक सीमित रहती हैं और दीर्घकालिक सशक्तीकरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं देतीं। परिणामस्वरूप,भारत की कल्याण कारी योजनाएं अक्सर कागज पर सर्वव्यापी और ज़मीन पर चयनात्मक बन जाती हैं।

संकट के दौरान सरकार द्वारा उठाए गए कदम तत्काल राहत के लिए आवश्यक थे,किंतु वे स्थायी समाधान प्रस्तुत नहीं करते। यदि सुभेद्य आबादी के लिए वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो आयात निर्भरता को कम कर घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा, भंडारण क्षमता का विस्तार करना होगा और वितरण तंत्र को मजबूत बनाना होगा। साथ ही,डिजिटल समावेशन सुनिश्चित करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों—जैसे बायोगैस और सौर ऊर्जा—को बढ़ावा देना होगा।

अंततः,एलपीजी संकट यह स्पष्ट करता है कि कल्याण केवल वितरण का प्रश्न नहीं,बल्कि सतत और समान पहुंच सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है। उज्ज्वला योजना ने लाखों जीवनों को प्रभावित किया है,किंतु इस संकट ने उसकी सीमाओं को भी उजागर कर दिया है। सुभेद्य वर्गों का वास्तविक सशक्तीकरण तभी संभव है,जब योजनाओं की संरचना समावेशी,लचीली और उत्तरदायी हो। अन्यथा,ये पहलें केवल कागजी उपलब्धियों तक सीमित रह जाएंगी। भारत की कल्याण यात्रा को अब विस्तार के साथ-साथ गहराई और स्थायित्व की आवश्यकता है, ताकि अगला संकट सबसे कमजोर वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित न कर सके।

# सफ़लता का सबसे पहला और बुनियादी उसूल खुद पर अटूट यकीन रखना है...

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा मध्य प्रदेश

कामयाबी कभी खैरात में नहीं मिलती यह आपसे कड़ी मेहनत का सौदा करती है और जो लोग बहानों की आड़ लेते हैं वे असल में अपनी सफलता का रास्ता खुद ही बंद कर देते हैं क्योंकि वक्त को बर्बाद करने वाला इंसान कभी जीवन की दौड़ में आगे नहीं निकल पाता और जो समय की कद्र नहीं करता समय उसे पीछे छोड़ देता है जीवन में बड़ी सफ़लता पाने के लिए मुस्तक़िल मिज़ाजी यानी निरंतरता का होना अनिवार्य है क्योंकि बिना रुके लगातार चलते रहना ही असंभव को संभव बनाता है जबकि नाकामी से डरने वाला व्यक्ति कभी बड़ा बनने का साहस नहीं जुटा पाता क्योंकि डर हमेशा ऊँची उड़ान में बाधा बनता है तरक्की पाने के लिए अपने आराम और सुख-सुविधाओं का त्याग करना पड़ता है क्योंकि कंफर्ट ज़ोन में रहकर कभी कोई इतिहास नहीं रचता आपको यह समझना होगा कि सफलता के इस कठिन रास्ते पर हर कोई आपका साथ नहीं देगा और न ही हर कोई आपको सपोर्ट करेगा इसलिए अकेले चलने का हौसला रखना ज़रूरी है जब लोग आपकी आलोचना करें तो उसे दुश्मनी समझने के बजाय एक सबक की तरह देखें जो आपको आपकी कमियों से रूबरू कराकर और बेहतर बनाने में मदद करती है बिना सब्र के सफलता का फल या तो बहुत देर से मिलता है या फिर इंसान बीच रास्ते में ही हिम्मत हार जाता है इसलिए धैर्य रखना अनिवार्य है सफ़लता का सबसे पहला और बुनियादी उसूल खुद पर अटूट यकीन रखना है क्योंकि अगर आपको अपनी काबिलियत पर भरोसा नहीं है तो दुनिया आप पर विश्वास कभी नहीं करेगी आज की आपकी छोटी-छोटी क़ुर्बानियां चाहे वह नींद का त्याग हो या मनोरंजन का कल आपके लिए बहुत बड़े फ़ायदे और सुख का ज़रिया बन सकती हैं और अंत में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपना मुक़ाबला कभी दूसरों से न करें बल्कि खुद को अपने बीते हुए कल से बेहतर बनाने की कोशिश करें क्योंकि असली जीत ख़ुद को हर दिन थोड़ा और निखारने में है।

# बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

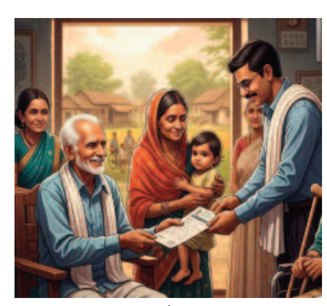

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है-मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा,अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े,और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़ा। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बु ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बे ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं,बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई,शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है,लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं,बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं,बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक,संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते,तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़,आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पी ा सहनी पे ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

## डियर मोमोज

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

उस सफेद,चिपचिपे और रहस्यमयी मैदे के गोले की शारीरिक संरचना किसी दार्शनिक गुत्थी से कम नहीं है। वह मैदा,जिसे डॉक्टर आंतों का फेविकोल कहते हैं,मोमोज वाले के जादुई हाथों में आकर एक ऐसी पारदर्शी और महीन चादर बन जाता है,जिसके आर-पार पत्तागोभी का भविष्य और दुकानदार की नियत साफ नजर आती है। इसकी बनावट ऐसी है मानो किसी ने बहुत ही सलीके से एक लजीज अपराध को सफेद कफन में लपेट दिया हो। ऊपर से वे नन्हीं-नन्हीं बारीक चुन्नटें...जैसे किसी महाकंजूस ने अपनी पूरी वसीयत को मोड़-तरोड़ कर एक छोटी सी पोटली में कैद कर दिया हो। मोमोज जब स्टीमर के अंधेरे और उमस भरे कमरों से बाहर निकलता है, तो उसकी देह पर चढ़ी वह भाप उसे किसी डिजिटल फिल्टर सा अहसास देती है। वह इतना नाजुक और लचीला होता है कि अगर उसे थोड़ा जोर से घूर भर लिया जाए,तो उसकी मैदे वाली खाल शर्म से फट जाए। उसकी गोलाई में वह वल्गर आकर्षण है, जिसे देखकर डाइट-चार्ट बनाने वाले न्यूट्रिशनिस्ट भी अपनी थ्योरी डस्टबिन में डाल देते हैं। लोग उसे प्लेट में ऐसे निहारते हैं जैसे वह कोई खाद्य पदार्थ नहीं,बल्कि मोक्ष का कोई गुप्त शॉर्टकट हो।

असली पागलपन तो उस लाल चटनी के उस अग्निपथ में है,जो दिखने में किसी खतरे के सिग्नल जैसी है,पर जिसका हमला सीधे नर्वस सिस्टम पर होता है। यह वह चटनी है जिसे बनाने वाला शायद पूरी मानवता से अपनी किसी पुरानी रंजिश का बदला ले रहा होता है। जुबान पर लगते ही ऐसा अहसास होता है मानो किसी ने 440 वोल्ट का नंगा तार छुआ दिया हो। आंखों से जो पानी निकलता है,वह दुख का नहीं,बल्कि उस मिर्ची-क्रांति का गवाह होता है जो भीतर के पूरे भूगोल को हिलाकर रख देती है। लोग सिसकारियां भरते हैं,चेहरा टमाटर की तरह लाल होकर जलने लगता है,पर उस अश्लील तीखेपन से हाथ नहीं खींच पाते। यह वह नशा है जहाँ इंसान खुद जल रहा होता है और साथ में एक्स्ट्रा मेयोनीज की रिश्वत देकर अपनी

जलन को शांत करने का ढोंग करता है। सोसाइटी के उन फिटनेस फ्रीक्स का हाल तो और भी विचित्र है, जो सुबह पार्क में घास पर नंगे पैर चलकर शुद्ध जीवन का प्रवचन देते हैं। वही लोग शाम ढलते ही किसी अंधेरे कोने में मोमोज की रेहे ी पर एक प्लेट और भैया का गुप्त कीर्तन करते पाए जाते हैं। यह मोमोज का वह उन्माद है जिसने पिज्जा और बर्गर जैसे विदेशी सामंतों की चूलें हिला दी हैं। असल में मोमोज खाना केवल पेट भरना नहीं है,बल्कि यह उस सिस्टम के खिलाफ एक भूमिगत विद्रोह है जो हमें उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। हम सब्जी तो खाते हैं,पर उसे मैदे के तहखाने में कैद करके और लाल चटनी के तेजाब में डुबोकर! उस सफेद गोले के भीतर छिपी हुई वह अधकचरी पत्तागोभी दरअसल हमारे आधुनिक समाज का ही प्रतीक है—बाहर से चिकना,चमकदार और पारदर्शी, मगर अंदर वही घिसी-पिटी और उबली हुई वास्तविकता। लोग इस सादगी के इतने भूखे हैं कि वे उस मैदे की नग्नता को भी हॉट एंड सेक्सी डाइट मानकर गटक जाते हैं और फिर डकार लेकर अपनी नैतिकता के डेटा को रीसेट कर लेते हैं।

**सूचना**

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

# परंपरा और आधुनिकता के बीच त्रिशंकु बना समाज

संजीव ठाकुर,
रायपुर,छत्तीसगढ़,

वर्तमान समय का मनुष्य एक विचित्र द्वंद्व में जी रहा है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में वह इतनी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है कि उसकी अपनी सनातनी परंपराएँ धीरे-धीरे धुंधलाने लगी हैं। परिणामस्वरूप वह न पूर्णतः आधुनिक बन पाया है, न ही अपने संस्कारों से पूर्णतः जुड़ा रह सका है—वह त्रिशंकु की भाँति दो ध्रुवों के बीच झूलता हुआ एक असंतुलित अस्तित्व बन गया है।भारतीय वैदिक और सनातनी संस्कृति हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है, हमें हमारे 'भारतीय' होने का गहन बोध कराती है। यह संस्कृति केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि मनुष्यता, करुणा, सह-अस्तित्व और जीवन के उच्च आदर्शों की वाहक है। 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसे सूत्र केवल वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन हैं, जो समस्त विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि प्रदान करते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति को अध्यात्म प्रधान कहा गया है—यह भौतिकता से परे आत्मा के उत्कर्ष की बात करती है किन्तु दूसरी ओर, पाश्चात्य संस्कृति ने मानव जीवन को तार्किकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यावहारिकता का नया आयाम दिया है। उसने मनुष्य को प्रश्न करना सिखाया, प्रमाण और तर्क के आधार पर सत्य को परखने की प्रवृत्ति विकसित की। विज्ञान और तकनीक के अद्भुत विकास ने जीवन को सुविधाजनक, सुगम और व्यापक बना दिया है। आज मानव चंद्रमा से आगे बढ़कर सूर्य के रहस्यों को जानने की चेष्टा कर रहा है,और सृजन के नए आयाम खोजते हुए प्रकृति को चुनौती देने का साहस भी दिखा रहा है। यहीं से द्वंद्व उत्पन्न होता है। एक ओर अध्यात्म की गहराई है, तो दूसरी ओर भौतिकता की व्यापकता। एक ओर परंपरा की स्थिरता है, तो दूसरी ओर आधुनिकता की गतिशीलता। यदि मनुष्य केवल परंपरा से चिपका रहे, तो वह जड़ता का शिकार हो सकता है; और यदि केवल आधुनिकता को अपनाए, तो वह अपनी पहचान और संवेदनाओं से दूर हो सकता है। आज की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हमने पाश्चात्य संस्कृति के सार को नहीं, बल्कि उसके बाह्य आवरण को अपनाया है। परिणामस्वरूप संयुक्त परिवारों का विघटन हो रहा है,संबंधों में ऊष्मा कम होती जा रही है,बुजुर्गों के प्रति सम्मान घट रहा है और जीवन एक यांत्रिक प्रक्रिया बनता जा रहा है। भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी चाह ने मनुष्य को भीतर से रिक्त कर दिया है। परिवारों में अलगाव, अकेलापन और तनाव की स्थितियाँ बढ़ रही हैं। फिर भी यह एकांगी दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए। पाश्चात्य प्रभाव ने समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन भी किए हैं। स्त्री सशक्तिकरण इसका प्रमुख उदाहरण है। जो महिलाएँ कभी घर की चारदीवारी तक सीमित थीं,आज वे शिक्षा, व्यवसाय और नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। सामाजिक खुलापन,व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों की समानता ने समाज को अधिक गतिशील और प्रगतिशील बनाया है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम किसी एक ध्रुव के प्रति अंध-आसक्ति न रखें। न तो अतीत की रूढ़ियों में जकड़े रहें,और न ही आधुनिकता के अंधानुकरण में अपनी पहचान खो दें। विवेक का मार्ग ही यहाँ संतुलन प्रदान कर सकता है। जैसा कि एक संतुलित वीणा के तार ही मधुर संगीत उत्पन्न करते हैं।

न अत्यधिक कसाव,न अत्यधिक ढील वैसे ही जीवन में भी परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समन्वय आवश्यक है।

हमें अपनी संस्कृति के उन मूल्यों को संजोकर रखना होगा, जो मानवता को ऊँचा उठाते हैं, और साथ ही पाश्चात्य विचारधारा की उन विशेषताओं को अपनाना होगा, जो जीवन को तार्किक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील बनाती हैं। यही समन्वय हमें त्रिशंकु की स्थिति से निकालकर एक संतुलित, समृद्ध और सार्थक जीवन की ओर ले जा सकता है।

## बालाजी

मोनिका डागा आनंद
चेन्नई, तमिलनाडु

बालाजी ने सियाराम जी के पूर्ण किए सारे काम,
महामंत्र ये गाया श्रीराम जय राम जय राजा राम ।

समुद्र लांघकर माता सीता का अकेले पता लगाया,
अशोक वाटिका उजाड़ राक्षसों को खूब ही सताया,
मेघदूत करे है क्रंदन ब्रह्मास्त्र से फिर किया बंधन,
प्रभु इच्छा जान कर नमन बंधक बन चले हनुमान,
पवनपुत्र करें गान श्रीराम जय राम जय राजा राम ।

लंकापति राजा रावण को क्रोध रामदूत पर आया,
पूँछ में लगा दी आग कपिराज ने लंका को जलाया,
पयोधि ने बचाएं प्राण दूर किया ज्वाला का त्राण,
चूड़ामणि पहचान सीया आज्ञा लेकर चले हनुमान,
सीता जी ने गाया श्रीराम जय राम जय राजा राम ।

श्रीराम नाम संकीर्तन से आनंद सेना में जगाया,
महाबली ने वानर सेना संग असुरों को मार गिराया,
इंद्रजीत ने छोड़ा बाण कष्टकारी हुआ विधि का विधान,
संकट में लक्ष्मण प्राण संजीवनी बूटी लाने चले हनुमान,
जामवंत ने गाया श्रीराम जय राम जय राजा राम ।

श्रीराम जी ने केशरी नंदन को प्रेम से गले लगाया,
दशानन रावण को फिर घनघोर युद्ध में मार गिराया,
चूर किया दुष्ट का अभिमान बढ़ाई अवध की शान,
सीता को दिया सम्मान अवधपुरी संग चले हनुमान,
विभीषण ने गाया श्रीराम जय राम जय राजा राम ।
बालाजी ने सियाराम जी के पूर्ण किए सारे काम,
महामंत्र ये गाया श्रीराम जय राम जय राजा राम ।

## दोस्त की हत्या कर घर में दफनाया शव,खुद थाने पहुंचकर किया खुलासा

# नवरात्र में शराब पीने से मना करने पर हुआ विवाद,आरोपी दंपति गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के भगवानपुर खुर्द लोहारपारा में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां मामूली विवाद में युवक ने अपने ही दोस्त की हत्या कर शव को घर में दफना दिया। घटना के करीब एक सप्ताह बाद आरोपी खुद थाने पहुंचा और पूरी वारदात का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपी और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार,24-25 मार्च की दरमियानी रात वृजलाल अगरिया (35) शराब के नशे में अपने पड़ोसी और दोस्त मिथिलेश कुजूर के घर पहुंचा था। उसने मिथिलेश को शराब पीने के लिए कहा, लेकिन नवरात्र होने के कारण मिथिलेश ने मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान झूमाझटकी में मिथिलेश का मोबाइल गिरकर टूट गया। इससे गुस्साए मिथिलेश ने घर में रखे डंडे से वृजलाल के सिर पर कई वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी मिथिलेश ने अपनी पत्नी राजकुमारी के साथ मिलकर शव को घर के अंदर पहले से खोदे गए गड्ढे में दफना दिया। ऊपर से प्लाईबोर्ड रखकर मिट्टी डाल दी, ताकि किसी को शक न हो। इसके बाद आरोपी घर छोड़कर इधर-उधर छिपता रहा, जबकि उसकी पत्नी पड़ोस में रहने लगी।

### एक सप्ताह तक किसी को नहीं लगी भनक

मृतक वृजलाल घर में अकेला रहता था। घटना के समय उसका पिता गांव से बाहर गया हुआ था। वापस आने पर बेटे के नहीं मिलने पर उसने समझा कि वह कहीं काम पर गया होगा। आसपास के लोगों को भी घटना की कोई जानकारी नहीं थी।

### खुद थाने पहुंचकर किया खुलासा

मंगलवार रात आरोपी मिथिलेश कुजूर गांधीनगर थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसने अपने दोस्त की हत्या कर शव को घर में दफना दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस बुधवार को मौके पर पहुंची। न्यायिक मजिस्ट्रेट, तहसीलदार और फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में खुदाई कर शव बाहर निकाला गया। करीब एक सप्ताह तक जमीन में दबे रहने के कारण शव सड़ चुका था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि हत्या के बाद उसे मृतक का भूत दिखाई देता था, जो उससे अंतिम संस्कार करने की बात कहता था। इसी डर के चलते उसने थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी मिथिलेश कुजूर और उसकी पत्नी राजकुमारी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

# मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली दवाओं का कारोबार,संचालक गिरफ्तार...

### स्विफ्ट कार से 95 नग कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद, करीब 7 लाख का माल जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना पुलिस ने मेडिकल दुकान की आड़ में नार्कोटिक्स दवाओं का अवैध कारोबार करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नशीली कफ सिरप,इंजेक्शन के रैपर और एक कार समेत करीब 7 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 31 मार्च को सूचना मिली थी कि फुन्दुरडिहारी स्थित सिद्धी विनायक मेडिकल स्टोर का संचालक संदीप कुमार चौहान नशीले इंजेक्शन और कफ सिरप की अवैध बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने संदीप को तलब कर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने भाई के साथ मेडिकल स्टोर संचालित करता है। 30 मार्च की शाम वह एजेंसी से अपनी स्विफ्ट कार (सीजी 13 यूजी 9338) में 100 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप लेकर आया था, जिसमें से कुछ बेच चुका था और बाकी कार में रखा था।

### कार की डिक्की से मिला नशीला सिरप

पुलिस टीम आरोपी को साथ लेकर मेडिकल स्टोर पहुंची। गवाहों की मौजूदगी में दुकान के पास खड़ी कार की तलाशी ली गई। डिक्की में रखे कार्टन से 95 नग कोडीन फॉस्फेट व ट्राइपोलिडिन युक्त कफ सिरप बरामद किया गया। इसके अलावा मौके से खाली रैपर और इंजेक्शन के वायल भी मिले। आरोपी ने पूछताछ में यह भी स्वीकार किया कि वह पहले से नशीली कफ सिरप और इंजेक्शन का सेवन करता रहा है और इनकी अवैध बिक्री भी करता था।

### एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) के तहत अपराध दर्ज किया है। जब्त सामग्री में 95 सीलबंद कफ सिरप, अल्प्राजोलम टैबलेट के खाली रैपर,इंजेक्शन वायल और घटना में प्रयुक्त कार शामिल है।

### पुलिस टीम की कार्रवाई

पूरी कार्रवाई डीआईजी व एसएसपी सरगुजा के निर्देशन में की गई। टीम में उप निरीक्षक दिलीप दुबे, प्रधान आरक्षक रुस्तम सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

# किश्त की रकम गबन करने वाला फाइनेंस कर्मी महासमुंद से गिरफ्तार

### ग्राहकों से 3.50 लाख लेकर फर्जी रसीद देता था

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

फाइनेंस कंपनी के नाम पर ग्राहकों से किश्त की रकम लेकर गबन करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने महासमुंद से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने करीब 3 लाख 50 हजार 395 रुपए की हेराफेरी की थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड अंबिकापुर शाखा के प्रबंधक दिग्विजय सिंह ने 15 सितंबर 2025 को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कंपनी में कार्यरत जूनियर बिजनेस एग्जीक्यूटिव अमित श्रीवास्तव ग्राहकों से वाहन किश्त की राशि अपने निजी खाते में जमा कराता था। आरोपी ग्राहकों को कंप्यूटराइज्ड रसीद देने के बजाय कंपनी के प्रिंटेड फॉर्म पर हाथ से लिखकर पावती देता था। उसने कई ग्राहकों से किश्त की रकम लेकर उसे उनके लोन खाते में जमा नहीं किया और खुद रख लिया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने कुछ ग्राहकों से नगद डाउन पेमेंट लेकर फर्जी डीओ लेटर जारी किया और वाहन एजेंसियों से सीधे वाहन दिलवा दिए। इस तरह उसने योजनाबद्ध तरीके से गबन की घटना को अंजाम दिया। आरोपी ने करीब 3 लाख 50 हजार 395 रुपए की हेराफेरी की थी तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसकी लोकेशन महासमुंद में मिली, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी अमित श्रीवास्तव ने पूछताछ में ग्राहकों की रकम गबन करना स्वीकार किया। पुलिस अन्य दस्तावेजों और लेन-देन की भी जांच कर रही है। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(4) और 316(5) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

### पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने 13 नवीन '108' एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

# मरीजों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाना शासन की प्राथमिकता : मंत्री श्री अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज जिला मुख्यालय से 13 नवीन शासकीय '108' एम्बुलेंस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जिले के विभिन्न विकासखण्डों के लिए रवाना किया। ये आधुनिक एम्बुलेंस आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को त्वरित रूप से अस्पताल पहुँचाने और उन्हें रास्ते में ही प्राथमिक उपचार प्रदान करने ,में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

### त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं सरकार का मुख्य ध्येय

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य शासन प्रत्येक नागरिक तक बेहतर और समयबद्ध चिकित्सा सुविधा पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा यह एम्बुलेंस सेवा क्षेत्र के नागरिकों के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी। विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में आपातकालीन स्थिति के दौरान मरीजों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना शासन का मुख्य उद्देश्य है।

### आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं वाहन

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि इन एम्बुलेंसों में ऑक्सीजन सिलेंडर, प्राथमिक उपचार किट और अन्य जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध हैं। प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की तैनाती से सेवा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने 108 एम्बुलेंस प्रभारी को निर्देशित किया कि वाहनों का संचालन सुचारु रूप से हो और आम जनता को समय पर सेवा प्राप्त हो। सीएमएचओ डॉ. पी.एस. मार्को ने बताया कि जिले को प्राप्त 13 नवीन वाहनों में से 12 बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट): सामान्य आपात स्थितियों के लिए एवं 01 एएलएस (एडवांस लाइफ सपोर्ट): गंभीर रूप से घायल मरीजों को ऑक्सीजन एवं जीवन रक्षक उपकरणों के माध्यम से उपचार करते हुए अस्पताल लाया जा सकेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, डी.एच.ओ. डॉ. पी.के. सिन्हा, डीपीएम डॉ. पुष्पेंद्र राम, 108 प्रभारी श्री राकेश कुमार सुखवंशी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कलेक्टर एवं एसएसपी ने केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर का किया निरीक्षण

## जेल की सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं का लिया जायजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल ने केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों के स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

**सुरक्षा एवं सीसीटीवी निगरानी का अवलोकन :** निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसएसपी ने जेल परिसर में स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष का भी अवलोकन किया और आवश्यक तकनीकी दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने सभी बंदी बैरकों की सघन जांच की,जहां किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री नहीं पाई गई।

### स्वास्थ्य और पोषण पर जोर

कलेक्टर श्री वसंत ने जेल अस्पताल का दौरा कर वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। विशेष रूप से मानसिक रूप से अस्वस्थ बंदियों के समुचित उपचार और महिला वार्ड में रह रहे बच्चों के समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

### स्वच्छता और भोजन की गुणवता की जांच

अधिकारियों ने जेल की पाकशाला (किचन) और उद्योग इकाई का भी निरीक्षण किया। बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई, इसके साथ ही जेल परिसर और बैरकों में साफ-सफाई की व्यवस्था भी बेहतर मिली।

# अवैध क्लिनिक पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई,चठिरमा में सील

### बिना अनुमति चल रहा था इलाज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम चठिरमा में वर्षों से मेडिकल की आड़ में संचालित अवैध क्लिनिक पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार,क्लिनिक संचालक अजीत व्यापारी बिना वैध अनुमति के मरीजों का इलाज कर रहा था। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा था और पहले भी कई संदिग्ध मौतों के मामले सामने आ चुके हैं। नर्सिंग होम एक्ट के नोडल अधिकारी डॉ. पी.के. सिन्हा ने बताया कि क्लिनिक को पूर्व में कई बार नोटिस जारी किया गया था, लेकिन संचालक द्वारा नियमों का पालन नहीं किया गया। हालिया जांच में पाया गया कि क्लिनिक में 5 बेड लगाकर इलाज किया जा रहा था,जो नियमों के विरुद्ध है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार अंबिकापुर मौके पर पहुंचे और क्लिनिक को सील कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से संचालित क्लिनिकों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। ड्रग इंस्पेक्टर अनिल पैकरा ने बताया कि संबंधित मेडिकल स्टोर में भी गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं। वर्ष 2026 में एक भी दवा का बिल जारी नहीं किया गया, जो नियमों का उल्लंघन है।

# नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ की भव्य आम सभा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ, सरगुजा इकाई द्वारा न्यायालय परिसर में छत्तीसगढ़ के नक्सल मुक्त घोषित होने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए एक भव्य आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं,कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर मिठाइयाँ बांटकर खुशी जाहिर की। सभा को संबोधित करते हुए जिला संयोजक जन्मेजय पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक नक्सली हिंसा से प्रभावित रहा, जिससे विकास की गति बाधित हुई। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रदेश के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा, जब राज्य भय के वातावरण से निकलकर विकास और विश्वास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। संजय अम्बष्ट ने अपने उद्बोधन में कहा कि नक्सलवाद ने वर्षों तक गांवों, युवाओं और संसाधनों को प्रभावित किया, लेकिन अब मजबूत इच्छाशक्ति और प्रभावी नीतियों के चलते प्रदेश नक्सल मुक्त हो रहा है। यह परिवर्तन राज्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। रमेश शुक्ला ने कहा कि यह उत्सव केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष की जीत है। इससे कानून-व्यवस्था मजबूत होगी और निवेश एवं विकास के नए अवसर खुलेंगे। पी.आर. कश्यप ने अपने वक्तव्य में कहा कि नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ का अर्थ है सुरक्षित समाज, सशक्त युवा और समृद्ध भविष्य। अब शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेंगी और विकास की गति तेज होगी। प्रशांत शंकर त्रिपाठी ने इसे सुशासन, सुरक्षा बलों के पराक्रम और जनता के सहयोग का संयुक्त परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ेगा और देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बनाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं अधिवक्ताओं ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत बताया। अंत में सभी ने छत्तीसगढ़ की शांति, विकास एवं समृद्धि के लिए संकल्प लिया तथा इस उपलब्धि को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन धनंजय मिश्रा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अरविन्द कन्नौजिया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यानंद मिश्रा, प्रमोद तिवारी, श्याम नारायण पाण्डेय, सतीश शुक्ल, अमरेंद्र पाण्डेय, अमित पाण्डेय, विवेक पाण्डेय, विनय दुबे, मानो शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

### कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का जिले में शुभारंभ...

# कलेक्टर ने अतिरिक्त पोषण आहार के निरंतर गुणवत्ता परीक्षण,पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में मिलेट बार वितरण के दिए निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य में व्याप्त कुपोषण एवं एनीमिया के दरों में कमी लाने के लिए महत्वकांक्षी अभियान 'कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' की शुरुआत की गई। जिले में अभियान की शुरुआत बुधवार को अम्बिकापुर के ग्राम खैरवार परियोजना में किया गया। कलेक्टर अजीत वंसत ने छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम द्वारा प्रदाय मिलेट बार का उपयोग नियमित रूप से करने व विभाग द्वारा प्रदाय पूरक पोषण का भी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रदाय की जा रही अतिरिक्त पोषण आहार का समय-समय पर निरंतर गुणवत्ता का परीक्षण करने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया। उपस्थित परियोजना अधिकारी,पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ को सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में मिलेट बार वितरण करने एवं किसी भी स्थिति में वैधता अवधि उपरांत खाद्य सामग्री को वितरित नहीं करने एवं नियमित रूप से आंगनबाड़ी खोलने के लिये निर्देशित किया गया। उन्होंने कार्यकम में उपस्थित गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों के अभिभावकों को एनीमिया एवं कुपोषण से मुक्त होने के लिये स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पोषण सामग्री का नियमिति उपयोग करने के साथ-साथ अतिरिक्त पोषण आहार का स्वयं उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान सभी को मिलेट बार वितरण से किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रधान ने बताया कि अभियान के अंतर्गत पायलट प्राजेक्ट के रूप में राज्य के सरगुजा एवं बस्तर संभाग के कुल 08 जिलों को शामिल किया गया है। प्रथम चरण में एनीमिया एवं कुपोषण की दरों में कमी लाने के लिए सरगुजा जिले के 5498 गर्भवती महिलाओं एवं 5281 कुपोषित बच्चों को चिंहांकित किया गया है। इन हितग्राहियों को विभागीय पूरक पोषण आहार के साथ-साथ अतिरिक्त पोषण आहार वितरण 06 माह तक प्रदाय किया जाएगा। इस दौरान जनपद सदस्य श्रीमती अनामिका पैकरा,सरपंच श्री देवनाथ तिग्गा उपस्थित रहे।

# संघ के शताब्दी वर्ष पर अंबिकापुर में प्रमुख जन गोष्ठी आयोजित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पीजी कॉलेज के सभागार में मंगलवार को प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सह क्षेत्र प्रचारक प्रेमशंकर सिदार ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने बताया कि संघ ने समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से कार्य किया है। मुख्य वक्ता ने पंच परिवर्तन की अवधारणा को विस्तार से बताते हुए कहा कि व्यक्तित्व निर्माण, परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत पर आधारित है, जो पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग दिखाती है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारतीय विचारधारा संतुलन और शांति का रास्ता प्रदान कर सकती है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में उपस्थित लोगों ने संघ के कार्य विस्तार, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी तथा नैतिक मूल्यों से जुड़े प्रश्न पूछे। मुख्य वक्ता ने सभी जिज्ञासाओं का समाधान उदाहरणों के साथ दिया। कार्यक्रम की प्रस्तावना नरेंद्र सिन्हा ने रखी, जबकि आभार प्रदर्शन सतीश मिश्रा ने किया। अध्यक्षता डॉ. पुष्पेंद्र पटेल ने की।

# चैनपुर की चिप्स फैक्ट्री से उठती दुर्गंध,लोगों का जीना मुहाल,जिम्मेदार मौन

# दुर्गंध से त्रस्त चैनपुर,चिप्स फैक्ट्री पर कार्रवाई कब?

## नाक पर रुमाल रख गुजर रहे लोग...फैक्ट्री की बदबू बनी बड़ी समस्या

- जिला पंचायत तक पहुंची दुर्गंध,फिर भी प्रशासन खामोश
- रसूख के आगे बेबस लोग,फैक्ट्री की बदबू पर नहीं हो रही कार्रवाई
- चिप्स फैक्ट्री से फैल रहा प्रदूषण,स्वास्थ्य पर खतरे की आशंका
- चैनपुर में बदबू का संकट,शिकायतों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन
- जनस्वास्थ्य से खिलवाड़! दुर्गंध फैलाने वाली फैक्ट्री पर कार्रवाई नहीं

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
मनेन्द्रगढ़ जिले के समीपस्थ चैनपुर क्षेत्र में संचालित एक आलू चिप्स फैक्ट्री इन दिनों स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए गंभीर समस्या बन गई है,फैक्ट्री से निकलने वाली तेज दुर्गंध के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है, हालात ऐसे हैं कि इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को नाक पर रुमाल रखकर निकलना पड़ रहा है।

**राहगीरों और स्थानीय निवासियों में नाराजगी**

चैनपुर मार्ग से गुजरने वाले लोगों का कहना है कि फैक्ट्री के आसपास इतनी तेज बदबू आती है कि सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है,स्थानीय निवासियों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि फैक्ट्री प्रबंधन के कथित 'ऊंचे रसूख' के चलते लोग खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं। दुर्गंध के कारण क्षेत्र में बीमारियां फैलने की आशंका भी जताई जा रही है।

**कानूनी नियमों के उल्लंघन के आरोप-**

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, फैक्ट्री से फैल रही दुर्गंध कई कानूनों का उल्लंघन हो सकती है, भारतीय न्याय संहिता की धारा 270 व 271 के तहत सार्वजनिक उपद्रव दंडनीय अपराध है, वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के तहत दुर्गंध भी वायु प्रदूषण की श्रेणी में आती है, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है, नगर पालिका/पंचायत अधिनियम के तहत जनस्वास्थ्य प्रभावित होने पर स्थानीय निकाय कार्रवाई कर सकते हैं।

**जिला पंचायत कार्यालय भी प्रभावित**

चौंकाने वाली बात यह है कि इस दुर्गंध की जद में जिला पंचायत कार्यालय भी आ रहा है, जहां से जिले के विकास की योजनाएं तैयार होती हैं, इसके बावजूद अब तक किसी भी जिम्मेदार विभाग द्वारा फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

**प्रशासनिक चुप्पी पर उठ रहे सवाल**

क्षेत्र में यह चर्चा है कि क्या प्रशासन किसी प्रकार के दबाव में है, फैक्ट्री संचालक के कथित राजनीतिक संपर्कों के चलते स्वास्थ्य विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं, स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले में तत्काल संज्ञान लेकर फैक्ट्री के वेस्ट मैनेजमेंट और प्रदूषण स्तर की जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए।

**स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर**

स्थानीय निवासियों का कहना है कि दुर्गंध इतनी तीव्र है कि उन्हें अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने को मजबूर होना पड़ रहा है, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर इसका नकारात्मक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

**जनहित में उठी आवाज**

यह मामला अब जनहित से जुड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। लोगों की मांग है कि प्रशासन जल्द हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान निकाले, ताकि क्षेत्रवासियों को इस परेशानी से राहत मिल सके,यह समाचार जनहित में प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रकाशित किया गया है।

## मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने अपने जन्मदिन में किया रक्तदान महादान

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सूरजपुर में 1 अप्रैल 2026 को जिला चिकित्सालय में 'रक्तदान महादान' स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया,यह शिविर जिला कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन रक्षक रक्त उपलब्ध कराना रहा। जन्मदिन पर किया रक्तदान, दिया प्रेरणादायक संदेश- इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने अपने जन्मदिन पर रक्तदान कर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया, उनके इस कदम को उपस्थित लोगों ने सराहा और इसे जनसेवा की भावना का प्रतीक बताया।

**स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की सहभागिता-** रक्तदान शिविर में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया, इस दौरान सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, जिला आवासीय चिकित्सक डॉ. राजेश पैकरा, जिला कार्यक्रम समन्वयक (क्षय उन्मूलन) पिलेश्वर नवरंगे सहित जितेन्द्र दुबे,आकाश दास,योगेन्द्र साहू और अभिषेक ने भी रक्तदान किया।

**जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी पहल**

इस रक्तदान शिविर के माध्यम से एकत्रित रक्त से गंभीर मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी,आयोजन का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ना रहा।

**समाज को दिया सकारात्मक संदेश**

'रक्तदान महादान' जैसे आयोजनों से समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है, कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि एक छोटा सा प्रयास किसी के जीवन को बचा सकता है।

## बलरामपुर में जंगल कटाई का बड़ा खुलासा...शंकरगढ़ वन परिक्षेत्र में हजारों पेड़ों की अवैध कटाई,विभाग पर उठा गंभीर सवाल

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
जिले के शंकरगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत बेलकोना गांव से जंगलों की अंधाधुंध कटाई का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना ने न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की पोल खोल दी है, बल्कि वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में हजारों की संख्या में बेशकीमती पेड़ों की अवैध कटाई कर वन भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। कभी घने और हरे-भरे जंगलों से आच्छादित बेलकोना का इलाका अब तेजी से उजाड़ में तब्दील होता जा रहा है। बताया जा रहा है कि सैकड़ों से लेकर हजारों एकड़ वन भूमि पर धीरे-धीरे अतिक्रमण कर लिया गया है। इस दौरान बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई और जमीन की सौदेबाजी किए जाने की भी आशंका जताई जा रही है।

**लंबे समय से चल रहा था खेल, अधिकारियों ने नहीं ली सुध :** ग्रामीणों का आरोप है कि यह अवैध गतिविधियां लंबे समय से जारी थीं,लेकिन संबंधित अधिकारियों ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या यह सब उनकी जानकारी में हो रहा था या फिर जानबूझकर अनदेखी की गई।

**ग्रामीणों में भारी आक्रोश,जंगल बचाने की मांग :** मामले को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल उनके जीवन का आधार है–यहीं से उन्हें जल, ईंधन और रोजगार मिलता है। एक ग्रामीण ने आक्रोश जताते हुए कहा, 'अगर अभी भी कार्रवाई नहीं हुई, तो पूरा जंगल खत्म हो जाएगा। '

**वन विभाग की भूमिका पर उठे सवाल :** इतने बड़े पैमाने पर जंगल की कटाई होने के बावजूद विभाग की निष्क्रियता ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

- क्या अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी?
- या फिर यह सब मिलीभगत से हो रहा था?
- आखिर निगरानी तंत्र इतना कमजोर क्यों साबित हुआ?

**निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग**

ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराकर क्षेत्र में पुनः हरियाली बहाल करने की अपील भी की गई है।

**पर्यावरण पर बड़ा खतरा**

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते इस तरह की अवैध कटाई पर रोक नहीं लगाई गई, तो इसका सीधा असर पर्यावरण, जल स्रोतों और स्थानीय जनजीवन पर पड़ेगा।

## 14 मवेशियों की तस्करी का मामला : आरोपी गिरफ्तार,न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
जिले के गणेश मोड़ चौकी क्षेत्र में मवेशियों को बूचड़खाने ले जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,प्रार्थी रतन डे (41 वर्ष), निवासी राधाकृष्णनगर ने 30 मार्च 2026 की रात लगभग 12 बजे गणेश मोड़ पुलिस को सूचना दी कि ग्राम भैसामुड़ा के रेलवे लाइन के जंगल रास्ते से कुछ लोग गाय-बछियों को झारखंड की ओर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चौकी गणेश मोड़ पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी सलीम अंसारी (48 वर्ष), निवासी महाराजगंज को पकड़ लिया।

**जप्त सामग्री :** 04 रास गाय एवं बछिया एक मोटरसाइकिल (हीरो स्प्लेंडर प्लस, क्रमांक छत्त 30 ॥ 6486) पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

### शासकीय कन्या विद्यालय के प्राचार्य श्री मिश्रा सेवानिवृत्त

## जिला शिक्षा अधिकारी ने दी सत्रांत पुनर्नियुक्ति और स्वत्वों की स्वीकृति

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर के प्राचार्य श्री राम लोलारक मिश्रा 31 मार्च 2026 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवा से सेवानिवृत्त हुए। इनके सेवानिवृत्ति तिथि को जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा द्वारा सत्रांत तक पुर्ननियुक्ति आदेश, अर्जित अवकाश नगदीकरण आदेश तथा समूह बीमा योजना राशि का स्वीकृति आदेश प्रदान करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

## मंदिर चोरी का खुलासाः चांदी का मुकुट बरामद,दो आरोपी गिरफ्तार,एमसीबी पुलिस की त्वरित कार्रवाई

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़ जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सजग एमसीबी पुलिस ने मंदिर में हुई चोरी की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है,यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के मार्गदर्शन में की गई।

**मंदिर से चोरी हुआ चांदी का मुकुट-** प्राप्त जानकारी के अनुसार,शिकायतकर्ता संदीप कुमार मिश्रा,निवासी वार्ड क्रमांक 18 चनवारीडांड,स्थानीय हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ एवं देखरेख का कार्य करते हैं,उन्होंने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 मार्च को दोपहर लगभग 2 बजे मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद वे दरवाजा बंद कर घर चले गए थे,शाम करीब 5 बजे जब वे वापस मंदिर पहुंचे,तो देखा कि भगवान की मूर्ति पर लगा चांदी का मुकुट गायब है,अज्ञात व्यक्ति द्वारा मंदिर से मुकुट चोरी कर लिया गया था, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

**जांच के बाद दो आरोपी गिरफ्तार-** घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की,आसपास के लोगों से पूछताछ,तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर संदेहियों की पहचान की गई, कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों नौसाद अली (उम्र 30 वर्ष) साहिल गुप्ता (उम्र 28 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी मनेंद्रगढ़ क्षेत्र के निवासी हैं।

**चोरी का सामान बरामद-**पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया चांदी का मुकुट भी बरामद कर लिया है, आरोपियों के विरुद्ध धारा 331(3), 305(डी) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

**पुलिस टीम की रही अहम भूमिका**

इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक दीपेश सैनी,प्रधान आरक्षक विवेकमणि तिवारी,आरक्षक राकेश शर्मा, दीप तिवारी तथा नगर सैनिक विनीत सोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

**पुलिस की अपील**

एमसीबी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें,ताकि समय रहते अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

## कृषि मंत्री नेताम ने वर्चुअल रूप से 9 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

## दूरस्थ क्षेत्रों में अब गोल्डन ऑवर में मिलेगी त्वरित चिकित्सा सहायता

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
आनन्द कुमार बलरामपुर जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की गई। जिला अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले को मिले 9 एम्बुलेंस को प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 08 बेसिक लाइफ सपोर्ट और 01 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस शामिल हैं। इस सौगात के साथ ही जिले में 108 एम्बुलेंस की समस्त सेवाएं अब जिले के सभी विकासखंडों और दूरस्थ ग्रामीण वनांचलों तक त्वरित आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ये एम्बुलेंस केवल वाहन नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में जीवन बचाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि शासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाली माताओं,बहनों और बच्चों को आपातकालीन स्थिति में समय पर उपचार मिल सके। मरीजों को ''गोल्डन ऑवर'' में चिकित्सा सहायता मिलना जीवन रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है और यह पहल इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

### फसल बीमा में गड़बड़ी का आरोप

## भाजयुमो ने पारदर्शी क्रॉप कटिंग की उठाई मांग

-संवाददाता-
कोरिया,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिला मंत्री मनीष साहू ने कोरिया जिला में फसल बीमा योजना के तहत हो रही कथित अनियमितताओं को लेकर कृषि विभाग को ज्ञापन सौंपा है,यह ज्ञापन उप संचालक कृषि,बैकुंठपुर को संबोधित किया गया है।

**क्रॉप कटिंग प्रयोग में अनियमितता का आरोप**

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ फसलों (जैसे गेहूं, सरसों आदि) के बीमा में क्रॉप कटिंग प्रयोग के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं,नियमों के अनुसार,क्रॉप कटिंग प्रयोग किसानों,ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए,लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। इससे किसानों के अधिकारों का हनन होने और बीमा भुगतान में गड़बड़ी की आशंका जताई गई है।

**किसानों के हितों पर पड़ सकता है असर**

ज्ञापन में कहा गया है कि यदि क्रॉप कटिंग सही तरीके से नहीं की जाती है, तो इससे फसल के वास्तविक उत्पादन का आंकलन प्रभावित होगा, जिसका सीधा असर किसानों को मिलने वाले बीमा मुआवजे पर पड़ेगा।

**भाजयुमो ने रखीं प्रमुख मांगें...**

ज्ञापन के माध्यम से भाजयुमो ने प्रशासन से निम्न मांगें की हैं सभी गांवों में क्रॉप कटिंग कार्यवाही किसानों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराई जाए, मौके पर ही वास्तविक रिपोर्ट तैयार कर उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाए,वास्तविक आंकड़ों के आधार पर ही बीमा दावा भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

**कार्रवाई नहीं होने पर दी चेतावनी**

ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो मामले को उच्च अधिकारियों, बीमा लोकपाल एवं न्यायालय तक ले जाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

**पारदर्शिता की मांग तेज**

भाजयुमो ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए फसल बीमा योजना में पारदर्शिता बेहद जरूरी है, उन्होंने प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच और सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की है।

# खोखले दावों के बीच सुलगता आक्रोश

# जनवरी से लंबित मजदूरी भुगतान ने तोड़ी मजदूरों की कमर

## वनांचल क्षेत्रों में आर्थिक संकट

## होली के बाद नवरात्रि भी रही फीकी मजदूरी भुगतान के अभाव में फीके हुए त्योहार

## कोरिया जिले में मज़दूरों का धैर्य दे रहा जवाब,पेंशन और मजदूरी न मिलने से बढ़ा जन-आक्रोश

### होली बीती मायूसी में,अब नवरात्रि पर भी ताला

बीते दिनों होली का त्योहार इन मजदूरों ने उधारी के भरोसे जैसे-तैसे काटा,लेकिन अब चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर भी इनके घरों में सन्नाटा पसरा है। सोनहत जैसे वनांचल क्षेत्रों में जहाँ आजीविका का मुख्य साधन मनरेगा ही है, वहाँ तीन महीने से पैसा न मिलना किसी त्रासदी से कम नहीं है,मजदूरों का कहना है कि प्रशासन केवल काम लेना जानता है,लेकिन पेट की आग बुझाने के लिए उनके हक का पैसा देने में नाकाम रहा है।

### बैकुण्ठपुर से सोनहत तक आर्थिक तंगी का साया

बैकुण्ठपुर ब्लॉक के कई गांवों में स्थिति इतनी गंभीर है कि मजदूर परिवारों को दैनिक राशन के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदारों ने भी अब उधारी देना बंद कर दिया है।

### पूरे छत्तीसगढ़ में एक जैसी स्थिति

रायपुर से आई इस खबर के अनुसार,केंद्र सरकार ने जी राम जी योजना (परिवर्तित मनरेगा) की करीब ?600 करोड़ की मजदूरी और पिछले तीन महीनों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि रोक दी है। इस देरी के कारण लगभग 7 लाख मजदूरों का भुगतान जनवरी माह से लंबित है, जिससे प्रदेश में आर्थिक समस्या खड़ी हो गई है। राज्य सरकार ने इस बकाया राशि को जल्द जारी कराने के लिए केंद्र को पत्र लिखा है और विभागीय मंत्री विजय शर्मा इस विषय पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा भी करने वाले हैं। यह मामला विधानसभा के बजट सत्र में भी गूंजा है और विपक्ष ने इस पर कड़ा विरोध जताया है।

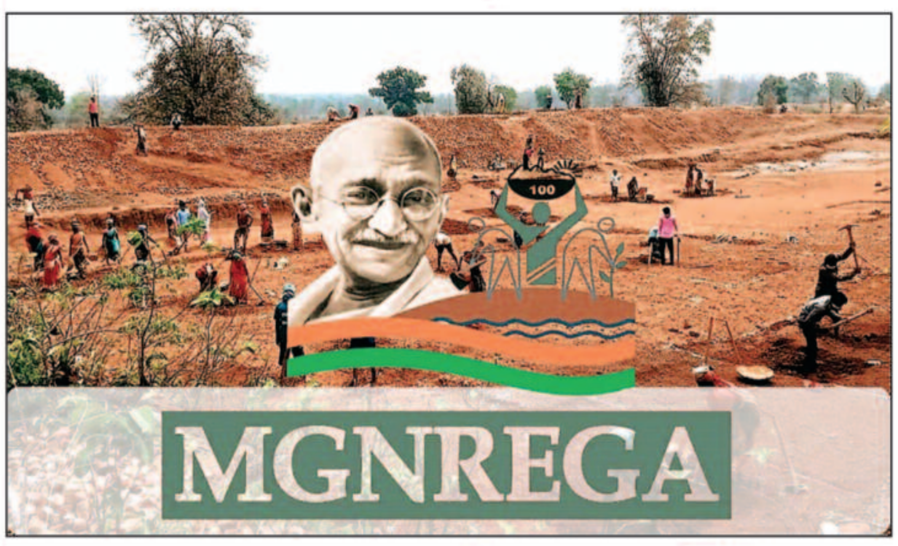

### सहारा ही जब बेसहारा हो जाए...

पेंशन के भरोसे कट रही थी जिंदगी, अब अंधेरा बरकरार जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन (वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग पेंशन) की राशि समय पर न मिलने से हजारों हितग्राहियों की स्थिति बदतर हो गई है, कई ऐसे वृद्धजन हैं जिनका कोई सहारा नहीं है और वे इसी 500-600 रुपये की मासिक राशि पर अपनी दवाइयों और दो वक्त की रोटी के लिए निर्भर थे।

#### दवाइयों का संकट-

पेंशन न मिलने से बीमार बुजुर्ग अपनी नियमित दवाइयां नहीं खरीद पा रहे हैं।

#### दिव्यांगों की बेबसी

चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांगों के लिए यह राशि उनकी आत्मनिर्भरता का एकमात्र जरिया थी, जो अब छिन चुका है। चिंताजनक स्थिति: सोनहत और बैकुण्ठपुर के कई घरों में स्थिति इतनी गंभीर है कि त्यौहारों के समय भी इन बुजुर्गों की आँखों में सिर्फ बेबसी के आँसू हैं।

#### गंभीर स्थिति:

3 माह (जनवरी, फरवरी और मार्च) से मजदूरी लंबित।

#### बढ़ता कर्ज

ऊँची ब्याज दरों पर साहूकारों से कर्ज लेने को मजबूर ग्रामीण।

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में विकास की इबारत लिखने वाले मनरेगा मजदूरों के घरों में इस बार नवरात्रि की रौनक गायब दिखी जिले के बैकुण्ठपुर और सोनहत ब्लॉक के हजारों मजदूरों के लिए त्योहार अब खुशियों के बजाय आर्थिक तंगी का सबब बन गए हैं। जनवरी माह से मजदूरी का भुगतान न होने के कारण स्थिति अब हाथ से निकलती नजर आ रही है।

### खबर का मुख्य बिंदु

कोरिया जिले के हजारों परिवारों पर सीधा प्रभाव

जनवरी 2026 से मजदूरी भुगतान पूरी तरह ठप्प

#### जिले के मजदूरों में बेहद नाराजगी

कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर और सोनहत ब्लॉक में विकास की नींव रखने वाले हाथ आज खाली हैं। एक तरफ जहाँ मनरेगा मजदूरों को जनवरी माह से भुगतान नहीं मिला है,वहीं दूसरी ओर समाज के सबसे असहाय वर्ग को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन भी लंबे समय से अटकी हुई है। इस दोहरी मार ने जिले के ग्रामीण इलाकों में आर्थिक आपातकाल जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

#### शिक्षा और स्वास्थ्य पर चोट-

बच्चों की स्कूल फीस और बुजुर्गों की दवाइयों का खर्च रोकना पड़ा,प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ सुलगता गुस्सा कोरिया जिले के इन दोनों ब्लॉकों में अब मजदूरों का धैर्य जवाब दे रहा है,मजदूरों का आरोप है कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद तकनीकी खामियों या बजट का बहाना बनाकर उन्हें टाल दिया जाता है।

# छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक नक्सल मुक्ति पर भाजयुमो ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि,विवेकानंद चौक सूरजपुर पर हुआ दीपदान

## सूरजपुर में श्रद्धांजलि एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के आह्वान पर 31 मार्च 2026 को सूरजपुर स्थित विवेकानंद चौक सूरजपुर में श्रद्धांजलि एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया,कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने किया, इस दौरान बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे,कार्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में मिली सफलता का सम्मान करना और इस संघर्ष में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देना था।

कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 दिसंबर 2023 से 28 मार्च 2026 के बीच प्रदेश सरकार और सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक अभियान चलाया, इस अवधि में कुल 535 नक्सली मारे गए,2898 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और 2038 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, इसके अलावा सुरक्षा बलों ने 1501 माइंस और 1350 आधुनिक हथियार जब्त कर कई बड़ी साजिशों को विफल किया। इन उपलब्धियों को प्रदेश के लिए ऐतिहासिक बताया गया।

### नेतृत्व के प्रति व्यक्त किया आभार

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने इस सफलता का श्रेय देश और प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व को दिया,उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी,अमित शाह,विष्णुदेव साय तथा विजय शर्मा के दृढ़ संकल्प,स्पष्ट नीति और सुरक्षा बलों के साहस के कारण ही प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्ति की दिशा में यह सफलता मिली है,उन्होंने कहा कि अब छत्तीसगढ़ शांति और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

### शहीद जवानों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान भारत माता की जय और शहीद जवान अमर रहें के नारे लगाए गए। पूरे आयोजन में देशभक्ति और सम्मान का वातावरण बना रहा।

### राष्ट्र सेवा और एकता बनाए रखने का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्र सेवा, प्रदेश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया,कार्यकर्ताओं ने कहा कि शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा और देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

### जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की रही उपस्थिति

इस अवसर पर भाजपा और भाजयुमो से जुड़े कई पदाधिकारी उपस्थित रहे, इनमें रितेश गुप्ता, शशिकांत गर्ग, शैलेश अग्रवाल, शहीम अंसारी, दिलीप साहू, दीक्षित वर्मा, सोनू साहू, विशाल गुप्ता, रोशन गुप्ता, विष्णु सोनी, तुषार ठाकुर, महेंद्र साहू, शानू साहू, योगेन्द्र रजवाड़े, आर्यन गुप्ता, हेमंत बैगा, विकास अग्रवाल, मेहुल विश्वास, बजरंग रजवाड़े, अशोक आकाश सोनी, पटेल, विक्की सोनवानी, गौरव दुबे, रितिक, राहुल, राजा साहू, उपेन्द्र रजवाड़े सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय, सरगुजा, अम्बिकापुर (छ.ग.)
(छ.ग. विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 18/2008 द्वारा स्थापित)
E-Mail id : registrarsua@yahoo.in, Website https://www.sggcg.in

क्रमांक /524/अकादमिक/ पी.एच.-डी./2026 अम्बिकापुर, दिनांक 23/03/2026

-:: प्रवेश सूचना ::-

संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय, सरगुजा अम्बिकापुर में पी.एच.-डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए इच्छुक आवेदकों से दिनांक 26.04.2026 तक आवेदन आमंत्रित करता है। आवेदन का प्रारूप एवं विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.sggcg.in पर उपलब्ध है।

कुलसचिव

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 25.03.2026

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम बगदरी को सूचित किया जाता है कि आवेदक बनेश्वर आ.स्व. श्री धनीराम निवासी ग्राम बगदरी के द्वारा अपने पिता स्व. श्री धनीराम की दिनांक 10.05.1998 को मृत्यु होना बताते हुए जन्म/मृत्यु रजिस्टीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ.ग. जन्म मृत्यु रजि. नियम 2001 के नियम 9 नियत (3) के तहत आवेदक द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र हेतू आवेदन इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 09.04.2026 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र मे किसी को कोई आपत्ति हो तो वो न्यायालय की पेशी, 09.04.2026 तक अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकता है । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

सील

तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशील लकड़ा अम्बिकापुर आ0 चार्ल्स लकड़ा निवासी अम्बिकापुर थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने दादा जी (स्व. इमानुवल लकड़ा ) आ0 स्व0 मसीह लकड़ा की दिनांक 22/09/1971 को स्थान निवास में हुई है

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशील लकड़ा अम्बिकापुर आ0 चार्ल्स लकड़ा निवासी अम्बिकापुर थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने दादी मां (स्व. इमामरियम ) आ0 स्व0 इमानुवल लकड़ा की दिनांक 15/10/1975 को स्थान निवास में हुई है

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर,सरगुजा

# खड़गवां पीडीएस दुकान की मनमानी

## तय समय पर नहीं खुलने से हितग्राही परेशान

### शिकायत के बाद हरकत में प्रशासन, पीडीएस दुकान की जांच शुरू

### खाद्य विभाग पर उठे सवाल, शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

### समय पर नहीं खुलती राशन दुकान, शिकायत पर जांच के आदेश

### भटकते गरीब, खड़गवां पीडीएस दुकान पर अव्यवस्था उजागर

-राजेन्द्र शर्मा-

**खड़गवां,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।** खड़गवां मुख्यालय स्थित सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकान एक बार फिर अव्यवस्था और मनमानी को लेकर सुर्खियों में है, शासन द्वारा निर्धारित समय पर दुकान नहीं खोली जा रही है और मनमाने समय पर संचालन किए जाने से हितग्राहियों में भारी नाराजगी है। आरोप है कि दुकान संचालित करने वाला समूह नियमों को दरकिनार कर अपनी सुविधा के अनुसार दुकान खोलता है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को समय पर राशन नहीं मिल पा रहा।

#### बड़ी कार्रवाई की संभावना

सूत्रों के अनुसार, यदि जांच में अनियमितता की पुष्टि होती है तो संबंधित समूह पर नोटिस जारी करने, निलंबन या दुकान संचालन निरस्त करने जैसी कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल जांच के आदेश के बाद यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

#### घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटे हितग्राही

मंगलवार को मामला उस समय बढ़ गया जब हितग्राही अशोक कुमार लोधी राशन लेने दुकान पहुंचे, लेकिन काफी देर इंतजार करने के बाद भी दुकान नहीं खुली। इसके बाद वे दुकान संचालक के घर पहुंचे, जहां कथित तौर पर उन्हें यह कहकर वापस कर दिया गया कि एक आदमी के लिए दुकान नहीं खोलेंगे, इससे नाराज होकर हितग्राही को बिना राशन लौटना पड़ा।

#### खाद्य निरीक्षक के जवाब पर उठे सवाल

इस मामले में जब खाद्य निरीक्षक से जानकारी लेने का प्रयास किया गया,तो उन्होंने स्पष्ट जवाब देने के बजाय गोलमोल प्रतिक्रिया दी,जबकि पहले से दुकान के मनमाने समय पर खुलने की जानकारी होने के बावजूद किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

#### जिला खाद्य अधिकारी से की शिकायत

परेशान होकर अशोक कुमार लोधी ने मोबाइल के माध्यम से जिला खाद्य अधिकारी और खाद्य निरीक्षक को शिकायत दर्ज कराई,शिकायत में बताया गया कि खड़गवां की पीडीएस दुकान लंबे समय से निर्धारित समय का पालन नहीं कर रही है,जिससे कार्डधारकों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

#### जांच के दिए गए तत्काल आदेश

शिकायत मिलते ही जिला खाद्य अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश जारी कर दिए। खाद्य निरीक्षक को मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति की जांच करने और दोषी पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

#### गरीब, मजदूर और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित

स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान के अनियमित संचालन से सबसे ज्यादा परेशानी दिहाड़ी मजदूरों,बुजुर्गों और दूरदराज से आने वाले ग्रामीणों को हो रही है, कई लोग सुबह से लाइन में खड़े रहते हैं,लेकिन दुकान देर से खुलने या बंद मिलने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, इससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की मंशा पर भी सवाल उठ रहे हैं।

#### निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग...

शिकायतकर्ता अशोक कुमार लोधी ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी समूह संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो और हितग्राहियों को समय पर राशन मिल सके।

# किसान कांग्रेस में नई नियुक्तियां,बैकुंठपुर और सोनहत ब्लॉक को मिले नए अध्यक्ष

## जिला अध्यक्ष के आदेश से जारी हुई नियुक्ति सूची

-संवाददाता-

**कोरिया,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।** किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार राजवाड़े द्वारा 24 मार्च 2026 को नियुक्ति आदेश जारी करते हुए संगठन में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह आदेश संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार निम्नलिखित नियुक्तियां की गई हैं संतोष कुमार गोयन को बैकुंठपुर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, कमलाकांत सिंह को सोनहत ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है इन दोनों नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। नियुक्ति आदेश में अपेक्षा जताई गई है कि नव-नियुक्त

पदाधिकारी संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करेंगे, साथ ही किसानों के हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यह नियुक्तियां संगठन के वरिष्ठ नेताओं की सहमति से की गई हैं, जिसमें राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन शामिल रहा। आदेश में कई वरिष्ठ नेताओं का उल्लेख करते हुए संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया गया है।

#### जय जवान,जय किसान के संदेश के साथ शुभकामनाएं...

नियुक्ति आदेश के अंत में नव-नियुक्त पदाधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जय जवान, जय किसान का संदेश दिया गया है।

#### संगठन विस्तार की दिशा में कदम

इन नियुक्तियों को संगठन विस्तार और जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, इससे किसान कांग्रेस की सक्रियता जिले में और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

# ऑनलाइन भूमि डायवर्शन व्यवस्था लागू नहीं,आदेश के बावजूद जिलों में सुस्ती

-ओंकार पाण्डेय-

**सूरजपुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।** प्रदेश सरकार द्वारा भूमि डायवर्शन (भूमि उपयोग परिवर्तन) प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से इसे ऑनलाइन करने का निर्णय लिया गया था,इसके लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को स्पष्ट निर्देश भी जारी किए थे,बावजूद इसके, प्रदेश के अधिकांश जिलों में यह व्यवस्था अब तक पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है, जिससे शासन की मंशा और जमीनी क्रियान्वयन के बीच अंतर साफ नजर आ रहा है।

बता दे की फरवरी 2026 में जारी आदेश (RULE-5/87/2025-REVENUE) के अनुसार भूमि डायवर्शन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जानी है, इस व्यवस्था के तहत नागरिक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, प्रीमियम और भू-राजस्व की गणना ऑनलाइन की जानी है, भुगतान डिजिटल माध्यम से होना है और पावती भी ऑनलाइन जनरेट की जानी है, साथ ही पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रिकॉर्ड आधारित बनाकर पारदर्शिता सुनिश्चित करने का उद्देश्य रखा गया है,हालांकि,जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत है, सूरजपुर सहित संभाग के कई जिलों में अब भी पारंपरिक ऑफलाइन प्रक्रिया ही चल रही है,आवेदकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और फाइलों के निपटारे में अनावश्यक देरी हो रही है, इससे न केवल समय की बर्बादी हो रही है बल्कि अतिरिक्त खर्च का बोझ भी आम नागरिकों पर पड़ रहा है, इस व्यवस्था के लागू न होने के पीछे कई कारण सामने आ रहे हैं, प्रमुख रूप से तकनीकी संसाधनों की कमी एक बड़ी समस्या है,कई तहसील और राजस्व कार्यालयों में पर्याप्त कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध नहीं है, इसके अलावा कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रणाली के संचालन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण भी नहीं दिया गया है,जिससे वे नई व्यवस्था को अपनाने में असहज महसूस कर रहे हैं, वहीं, कुछ स्थानों पर प्रशासनिक उदासीनता भी देखने को मिल रही है, जिससे योजना का क्रियान्वयन प्रभावित हो रहा है,शासन के नियमों में पूरी प्रक्रिया स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई है,जिसमें आवेदन से लेकर भू-अभिलेख संशोधन तक सभी कार्य ऑनलाइन करने का प्रावधान है,इसके बावजूद, इन नियमों का पालन धरातल पर नहीं हो रहा है,जो व्यवस्था की कमजोर निगरानी को दर्शाता है, यदि शीघ्र ही आवश्यक तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए,कर्मचारियों को प्रशिक्षित नहीं किया गया और अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं की गई,तो यह योजना अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगी,फिलहाल स्थिति यह है कि सरकार की मंशा सरलीकरण की है,लेकिन आम जनता को अभी भी जटिल और धीमी प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है।

# महान-03 खदान विवाद : ग्रामीणों का विरोध तेज,प्रशासन-SECL बैठक बेनतीजा

## प्रतापपुर क्षेत्र में बढ़ा विवाद, कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण

-संवाददाता-

**सूरजपुर,01 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।** सूरजपुर जिले के प्रतापपुर क्षेत्र में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की महान-03 खदान और भूमि अधिग्रहण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है, खदान से प्रभावित ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्रेट पहुंचा,जहां उन्होंने जिला प्रशासन और स्थ्रष्टरु अधिकारियों के साथ बैठक कर अपनी समस्याएं रखीं।

#### 10 घंटे तक ठप रहा कोयला परिवहन-

इससे पहले ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं ने खदान क्षेत्र में बड़ा विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान कोयला परिवहन करीब 10 घंटे तक बंद रहा,जिससे खदान संचालन प्रभावित हुआ,ग्रामीणों ने प्रशासन और SECL की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की।

#### बुलडोजर कार्रवाई से भड़का आक्रोश-

विवाद की शुरुआत उस घटना से हुई,जब प्रतापपुर क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव में पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंजू मिंज के पैतृक मकान पर रात के समय बुलडोजर चलाने का आरोप लगा,ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के मकान को तोड़ दिया गया,जिससे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया।

#### एसडीएम कार्यालय घेराव और खदान परिसर में प्रदर्शन

घटना के विरोध में ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं ने एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। इसके बाद खदान परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने घंटों प्रदर्शन किया,इस दौरान प्रशासन और स्थ्रष्टरुकी कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की गई।

#### प्रतिनिधिमंडल ने रखी प्रमुख मांगें

पूर्व अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह के नेतृत्व में 10 गांवों के ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्रेट पहुंचा, प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर और SECL के महाप्रबंधक के साथ विस्तृत चर्चा की,ग्रामीणों की प्रमुख मांगें इस प्रकार रहीं,खदान क्षेत्र में आने वाली जमीन का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक किया जाए,भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी दस्तावेज पारदर्शी तरीके से साझा किए जाएं, प्रभावित गांवों में विधिवत ग्राम सभा आयोजित की जाए।

#### पेसा कानून के उल्लंघन का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह क्षेत्र पांचवीं अनुसूची में आता है, जहां पेसा कानून लागू है, इसके बावजूद अब तक ग्राम सभा नहीं कराई गई, जो नियमों का उल्लंघन है।

#### विकास के खिलाफ नहीं, पारदर्शिता जरूरी

ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, उनका कहना है कि देश को कोयले की जरूरत है और वे इसका विरोध नहीं कर रहे, लेकिन पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और कानून के अनुसार होनी चाहिए।

#### बैठक बेनतीजा,आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने इसे बेनतीजा बताया। उनका कहना है कि जब तक दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए जाते, तब तक स्थ्रष्टरुको काम नहीं करने दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

#### प्रशासन का पक्षः बैठक शांतिपूर्ण रही

जिला प्रशासन का कहना है कि ग्रामीणों की सभी समस्याओं और आपत्तियों से SECL प्रबंधन को अवगत करा दिया गया है,साथ ही संबंधित दस्तावेज साझा करने के निर्देश भी दिए गए हैं,प्रशासन के अनुसार बैठक शांतिपूर्ण माहौल में हुई और फिलहाल किसी प्रकार का विवाद नहीं है।

#### इलाके में तनाव बरकरार

हालांकि प्रशासन के दावों के बावजूद जमीन अधिग्रहण और बुलडोजर कार्रवाई को लेकर इलाके का माहौल अब भी गर्म है, ग्रामीण अपनी मांगों पर कार्रवाई और न्याय की उम्मीद में आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं।

## 20 साल पहले आया केके का वो जादूई गाना निकला जर्मनी धुन से कॉपी! कल्ट सॉन्ग से इमरान हाशमी बने थे सुपरस्टार

**हिंदी सिनेमा में कुछ गाने ऐसे हैं जो आइकोनिक हैं,लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि वो गाने किसी अंग्रेजी धुन या गानों से कॉपी निकले। आज हम आपको एक ऐसे ही कल्ट गाने की कहानी बताने जा रहे हैं...**

कहते हैं कि जब कानों तक अच्छी आवाज पहुंचती है कि अशांत मन भी शांत हो जाता है। कुछ आवाजें तो ऐसे होती है जो वाकई में लोगों के लिए हीलिंग का काम करके गई हैं। एक ऐसी ही आवाज थी जिसने सालों तक लोगों के दिलों पर राज किया।

हिंदी सिनेमा का वो आइकोनिक सिंगर भले ही हमारे बीच ना हो लेकिन उनके गाए गाने आज भी दिलों में जिंदा है। आज हम आपको दिवंगत सिंगर केके के उस गाने की कहानी बताएंगे, जो असल में एक धुन से बना और वो गाना आज भी हिट है...

### केके का वो मशहूर गाना

यूं तो सिंगर केके ने अपने करियर में हर तरह के गाने गाए और इन गानों के जरिए केके ने लोगों के दिलों पर राज भी किया। हालांकि केके द्वारा गाए गए कुछ ऐसे गाने भी बने जो हमेशा के लिए अमर हो गए और इसी में से एक गाना था तू ही मेरी शब है।

जी हां, साल 2006 में आई फिल्म गैंगस्टर का गाना तू ही मेरी शब है बॉलीवुड के उन गानों में से एक है जिसने इमरान हाशमी को हिट गानों का बादशाह और केके की आवाज को हर आशिक की जरूरत बना दिया था। लेकिन असल में इमरान पर फिल्माया केके का ये गाना कॉपी निकला

### अंग्रेजी गाने की धुन से बना गाना

अब अगर आप सोच रहे हैं कि केके की आवाज वाला ये गाना ओरिजिनल नहीं था बल्कि गाने को बनाने के पीछे की प्रेरणा कहीं और से आई थी। असल में इस गाने का म्यूजिक प्रीतम ने तैयार किया था। गाने के लिरिक्स सईद कादरी ने लिखे थे। अक्सर कहा जाता है कि प्रीतम के कई गाने विदेशी धुनों और गानों से इंस्पायर्ड निकले हैं।

इस गाने के साथ भी यही हुआ था। कहा जाता है कि साल 1998 में आए सक्राल निरवाना नाम के एक ओरिजिनल ट्रेक से इस गाने की धुन चुराई गई थीं। इस धुन ओलीवर शांति ने बनाया था। हालांकि धुन पूरी तरह वर्ड टू वर्ड कॉपी नहीं थी, लेकिन इसका म्यूजिक अरेंजमेंट और लूप सीधे तौर पर वहां से प्रेरित था। जब आप दोनों ही गानों को ध्यान से सुनेंगे तो समझ पाएंगे कि कैसे दोनों गानों की धुनें लगभग एक जैसी हैं।

### गाने में छाई थी कंगना-इमरान की कैमिस्ट्री

आपको बता दें कि केके का ये गाना आज भी दर्शकों के बीच उतना ही पॉपुलर है और खूब पसंद किया जाता है। इस गाने को कालजयी बनाने में सबसे बड़ा हाथ केके का था।

इस गाने को साउथ कोरिया के सियोल की से कों पर फिल्माया गया था। इमरान हाशमी और कंगना रनौत की केमिस्ट्री,और इमरान का वो खास अंदाज जिसमें वह माइक पकड़कर गाते हैं, आज भी आइकोनिक माना जाता है। ये गाना इसीलिए कल्ट गाना बना।

# अब आएगा कंगना की जिंदगी में क्वीन वाला स्टारडम

### धमाकेदार सीक्वल के साथ लौट रही हैं मिस रनौत?

कंगना रनौत बिग स्क्रीन पर एक बार फिर से तहलका मचाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। वह अपनी सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर सीक्वल के साथ जल्द ही स्क्रीन पर आएंगी।

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी की सांसद कंगना रनौत अब फिल्मी पर्दे पर कम ही नजर आती हैं। वह फिल्मों के साथ-साथ इन दिनों अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभा रही हैं। उनकी लास्ट फिल्म इमरजेंसी साल 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।कंगना रनौत की पिछली कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भले ही असरदार न रही हों, लेकिन उनके चाहने वाले उन्हें बिग स्क्रीन पर देखने की आस लगाए रहते हैं। अब फैंस की बेताबी को देखते हुए इमरजेंसी के बाद कंगना रनौत एक ऐसी फिल्म का सीक्वल लेकर आ रही हैं, जिसने सालों पहले उन्हें बॉलीवुड की क्वीन बना दिया था।

### इस धांसू फिल्म के सीक्वल के साथ लौटेंगी कंगना रनौत

सालों पहले जिस फिल्म ने कंगना रनौत के करियर को ऊंचाई पर पहुंचाया था, अब उसी का सीक्वल लेकर अभिनेत्री बॉक्स ऑफिस के मैदान में फिर उतरेंगी। कंगना की फिल्म क्वीन को लेकर एक लंबे समय से चर्चा थी। अब रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के सीक्वल की शूटिंग जल्द ही शुरू होने जा रही है।

मिड-डे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंगना रनौत और निर्देशक विकास बहल फिल्म क्वीन 2 की शूटिंग अप्रैल के अंत में शुरू करने की योजना बना रहे हैं। क्वीन 2 में कंगना रनौत खुद की तलाश करने वाली एक लड़की की स्वतंत्रता का सब्जेक्ट लेकर आएंगी। हालांकि, इसका ताल्लुक पिछली कहानी से जुड़ा नहीं होगा।

### इस बार शहरी लड़की बनकर छाएंगी कंगना रनौत?

रिपोर्ट्स की मानें तो क्वीन के पहले पार्ट में जहां कंगना ने एक छोटे शहर की लड़की का किरदार अदा किया था, वहीं इस बार वह प्रॉपर सिटी गर्ल (शहरी लड़की) बनेंगी, जो स्मार्ट है, चुलबुली है और मजबूत भी। हालांकि,कहानी का मोड़ उसे आत्म-खोज की तरफ ले जाएगा। इस बार वह अपने राजकुमार को ढूंढते हुए लंदन या विदेश नहीं जाएंगी,बल्कि भारत में ही उनकी जर्नी को दर्शाया जाएगा।

### नए एक्टर्स की होगी क्वीन 2 में एंट्री

क्वीन में जहां कंगना रनौत के अपोजिट राजकुमार राव मुख्य भूमिका में थे, तो वहीं इस बार रिपोर्ट्स की मानें तो सपोर्टिंग कास्ट पूरी तरह से नई होगी। सूत्रों ने बताया, मुंबई के स्टूडियो में इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी,जहां एक नॉर्थ इंडियन सिटी का सेट बनाया जाएगा। इसमें मुख्य नायिका के घर का सेट भी अलग से बनेगा। मुंबई का शेड्यूल खत्म करने के बाद टीम अलग-अलग मेट्रो सिटीज में भी शूट करेगी। तीन महीने में इस फिल्म की शूटिंग खत्म करने का हमारा टारगेट है।

# अगले हफ्ते कॉकटेल 2 से मिलेगा बड़ा सरप्राइज

### रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर किया एलान

शाहिद कपूर,कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आया है। करीब 14 सालों के लंबे इंतजार के बाद अभिनेता सैफ अली खान और एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की सुपरहिट फिल्म कॉकटेल का सीक्वल आ रहा है। निर्देशक होमी अदजानिया इस बार तीन कलाकारों की नई कहानी के तौर पर कॉकटेल 2 को लेकर आ रहे हैं। लंबे समय से कॉकटेल 2 की चर्चा चल रही है।

अब रश्मिका मंदाना की तरफ से अपनी इस अपमकिंग फिल्म के कुछ लेटेस्ट पोस्टर्स शेयर किए गए हैं। साथ ही बताया गया है कि मूवी का पहला गाना अगले हफ्ते रिलीज किया जाएगा।

### कॉकटेल 2 का पहला गाना होगा रिलीज

बुधवार को रश्मिका मंदाना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर कॉकटेल 2 के दो नए पोस्टर्स को साझा किया है। जिसमें मूवी के अन्य स्टार्स शाहिद कपूर और कृति सेनन की झलक भी देखने को मिल रही है। इसके साथ ही इंस्टा पोस्ट में रश्मिका ने इस बात की जानकारी दी है कि कॉकटेल 2 का पहला गाना जब तलक अगले सप्ताह 8 अप्रैल बुधवार को रिलीज कर दिया जाएगा। इसके साथ ही अब कॉकटेल 2 को लेकर सुर्खियां तेज हो गई हैं और फैंस इसके फर्स्ट सॉन्ग की रिलीज का इंतजार करने लगे हैं। इससे पहले कॉकटेल 2 के कुछ पोस्टर्स सामने आए, जिनमें शाहिद, कृति और रश्मिका की सोलो झलक देखने को मिली थी। मालूम हो कि रोमांटिक लव ट्रायंगल मूवी के तौर कॉकटेल 2 के लिए सिनेप्रेमियों की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर हैं।

इससे पहले रणवीर सिंह स्टारर लेटेस्ट फिल्म धुरंधर 2 के रिलीज के पहले दिन शाहिद कपूर स्टारर कॉकटेल 2 का फर्स्ट लुक टीजर मेकर्स की तरफ से थिएटर्स में रिलीज किया गया था, जिसे क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला।

### कब रिलीज होगी कॉकटेल 2

हाल ही में कॉकटेल 2 के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग का समापन हुआ और अब मेकर्स मूवी के पोस्ट प्रोडक्शन काम पर फोकस कर रहे हैं। हालांकि,मूवी की रिलीज डेट का एलान पहले ही किया जा चुका था,जिसके आधार पर 19 जून 2026 को कॉकटेल 2 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बता दें कि दिल्ली और मुंबई के अलावा कॉकटेल 2 की शूटिंग विदेश में भी हुई है।

## सिनेमा के टार्जन की बेटी नहीं बन पाई लेडी सुपरस्टार

हिंदी सिनेमा के टार्जन एक्टर हेमंत बिरजे की बेटी ने भी सिनेमा में अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन वह सफल नहीं हो सकीं। साल 1985 में एडवेंचर थ्रिलर एडवेंचर्स ऑफ टार्जन को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसमें वेटरन एक्टर हेमंत बिरजे ने टार्जन की अहम भूमिका को अदा किया था। इस मूवी ने हेमंत को रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद वह वीराना और तहखाना जैसी कई लोप्रिय फिल्मों में भी नजर आए। हेमंत बिरजे की एक बेटी भी है, जिसका नाम सोनिया सईद बिरजे है। अपने पिता की तरह सोनिया ने भी फिल्मी दुनिया में किस्मत आजमाई, लेकिन महज तीन मूवीज करने के बाद उन्होंने इंडस्ट्री से नाता तोड़ लिया और फ्लॉप एक्ट्रेस बनकर रह गईं। 80 से लेकर 90 के दशक तक सिनेमा जगत में राज करने वाले हेमंत बिरजे एक वक्त पर लोकप्रिय अभिनेताओं में शुमार थे। अपनी कमाल की एक्टिंग और सॉलिड फिटनेस के दम पर हेमंत ने बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बनाई।

## खेल समाचार

# फीफा विश्व कप की सभी 48 टीमों तय

**12 ग्रूप में बांटा गया,4 पहली बार हिस्सा ले रहीं फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें हिस्सा लेंगी। सबी 48 टीमों तय हो गई हैं। केप वर्डे,कुराकाओ,जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीमें पहली बार विश्व कप में हिस्सा लेगी...**

**नई दिल्ली,01अप्रैल 2026।** फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने वाली सभी 48 टीमें पक्की हो गई हैं। क्वालिफिकेशन के फाइनल राउंड से 6 टीमों ने टूर्नामेंट में अपनी जगह बनाई। इसमें स्वीडन, तुर्किये, बोस्निया एंड हेर्जेगोविना, चेक रिपब्लिक, इराक और डीआर कोंगो शामिल हैं। 11 जून से फीफा विश्व कप की शुरुआत हो रही है। पहला बार इस टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। पिछले विश्व कप तक 32 टीमें इसमें खेलती थीं। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार फीफा विश्व कप में खेलेगी।

### 48 टीमों को 12 ग्रूप में बांटा गया

फीफा विश्व कप 2026 की 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रूप में बांटा गया है। हर टीम अपने ग्रूप की अन्य तीनों टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेगी। हर ग्रूप की टॉप दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में जाएंगी। अभी तक ग्रूप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। चैंपियन बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

### 11 जून से 19 जुलाई तक होगा फीफा विश्व कप

फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक किया जाएगा। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा के पास टूर्नामेंट की मेजबानी है। अमेरिका के 11, मैक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहरों में मुकाबले होंगे। मैक्सिको और साउथ अफ्रीका के मैच के साथ मैक्सिको सिटी के एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम में टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में फाइनल मैच होगा।

## विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने दर्ज की शानदार जीत,अगले अहम मुकाबलों की राह बनाई

**नई दिल्ली,01अप्रैल 2026।** भारत के विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने बुधवार को यहां उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के तीसरे दिन शानदार जीत दर्ज की। एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार, पुरुषों की 50केजी कैटेगरी में, विश्वनाथ सुरेश ने ज़बरदस्त प्रदर्शन करते हुए बेकज़ात एर्गेशोव (किर्गिस्तान) के खिलाफ 5-0 से सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल की; उन्होंने पूरे मुकाबले के दौरान अपनी बेहतरीन तकनीक और रिंग पर पूरा नियंत्रण दिखाया। अब उनका मुकाबला कज़ाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। संझार एक बहुत ही मज़बूत प्रतिद्वंद्वी हैं, जो मौजूदा विश्व चैंपियन (2025) और विश्व कप विजेता (2025) के तौर पर इस मुकाबले में उतरेंगे, जिससे यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। पुरुषों की 60केजी कैटेगरी में, सचिन ने मंगोलिया के बुयांदलाई बायारखू के खिलाफ 4-1 से आत्मविश्वास भरी जीत दर्ज की। एक कड़े मुकाबले में भी उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने में सफल रहे। अपने अगले मुकाबले में सचिन का सामना चीनी ताइपे के चेंग-वेई ली से होगा।एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में लगातार ज़ोरदार मुकाबले देखने को मिल रहे हैं, जहाँ पूरे महाद्वीप के बेहतरीन मुक्केबाज़ अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं।

## इंडिया स्पोर्टिंग गुड्स फेयर का शुभारंभ

**नई दिल्ली,01अप्रैल 2026।** भारत का लक्ष्य खेल के सामान के निर्यात को लगभग 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 80,000 करोड़ रुपये तक ले जाना है, और निर्माताओं को बड़े सपने देखने चाहिए तथा इनोवेशन पर आधारित एक दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, खेल सचिव हरि रंजन राव ने यह बात कही। वह इंडिया स्पोर्टिंग गुड्स फेयर 2026 के चौथे संस्करण में प्रदर्शकों,अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और हितधारकों को संबोधित कर रहे थे। इस मेले की शुरुआत यहाँ हुई, जिसका मुख्य फोकस भारत को खेल के सामान के निर्माण,निर्यात और व्यापार के लिए एक वैश्विक केंद्र में बदलना है।

यह भारत के खेल के सामान उद्योग के विकास के सफर में एक सुनहरा दौर है,उन्होंने कहा। अगर हमें 3,000 करोड़ रुपये से 80,000 करोड़ रुपये तक पहुँचना है, तो हर निर्माता को अपने उत्पादन के पैमाने को लगभग 25 गुना बढ़ाना होगा। अगर आप बड़े सपने नहीं देखेंगे, तो आप इसे हासिल नहीं कर पाएँगे,उन्होंने आगे कहा। एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार,निर्माताओं से आग्रह किया गया कि वे तेज़ी से अपना विस्तार करें,वैश्विक स्तर पर फैलें,और इनोवेशन तथा निवेश पर आधारित एक दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएँ;इस विस्तार की अगुवाई करने में युवाओं और अगली पीढ़ी के उद्यमियों की भूमिका पर विशेष ज़ोर दिया गया। आइए, हम भारत में दुनिया की सबसे बड़ी खेल के सामान की प्रदर्शनी आयोजित करने का लक्ष्य रखें, जिसमें दुनिया भर के प्रदर्शक हिस्सा लें,राव ने कहा। सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए,राव ने बताया कि इस क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट में पहले ही 500 करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं। हम यह भी देखना चाहेंगे कि खेल के सामान के निर्माण क्षेत्र में और भी कई नए निर्माता प्रवेश करें। खेल के उपकरण,खेल के कपड़े,इनडोर खेल के उपकरण और खिलौनों सहित कई तरह के उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं।

## दक्षिण अफीका के कॉनर एस्टरहुइज़न आईसीसी पुरुषों की टी 20 आई खिलाड़ी रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुँचे

**नई दिल्ली,01अप्रैल 2026।** दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज़ कॉनर एस्टरहुइज़न ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की टी20 आई सीरीज़ में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुषों की टी20 आई खिलाड़ी रैंकिंग में ज़बरदस्त छलांग लगाई है। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार,एस्टरहुइज़न टी 20 आई बल्लेबाज़ी रैंकिंग में टॉप 100 से बाहर से उठकर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं। 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पांच टी20 आई मैचों में कुल 200 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड मिला;उनके योगदान की बदौलत ही दक्षिण अफ्रीका न्यूज़ीलैंड की धरती पर 3-2 से सीरीज़ जीतने में कामयाब रहा। उनके 200 रनों का यह स्कोर, इस सीरीज़ में किसी भी अन्य खिलाड़ी द्वारा बनाए गए रनों के मुकाबले दोगुने से भी ज़्यादा था।

न्यूज़ीलैंड के विकेटकीपर टिम रॉबिन्सन की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला; प्रोटियाज़ के खिलाफ 81 रन बनाने के बाद वह दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर पहुंच गए। भारत के अभिषेक शर्मा और ईशान किशन बल्लेबाज़ी रैंकिंग में शीर्ष दो स्थानों पर अपना कब्ज़ा जमाए हुए हैं, जबकि इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जोस बटलर (एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर) और न्यूज़ीलैंड के टिम सीफ़र्ट (एक स्थान नीचे खिसककर नौवें स्थान पर) ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने इस हफ़्ते टॉप 20 में अपनी स्थिति में कोई बदलाव किया है।

टी20 आई गेंदबाज़ी रैंकिंग में,अफ़गानिस्तान के स्पिनर राशिद खान अभी भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं,जबकि न्यूज़ीलैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन के चलते दक्षिण अफ्रीका के कई खिलाड़ी इस रैंकिंग में सबसे ज़्यादा फ़ायदा उठाने वाले खिलाड़ियों के तौर पर उभरे हैं। तेज़ गेंदबाज़ों की तिकड़ी-जेराल्ड कोएट्ज़ी (36 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 52वें स्थान पर), ओटनील बार्टमैन (10 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें स्थान पर) और जॉर्ज लिंडे (छह स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 62वें स्थान पर) - सभी ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है; वहीं, न्यूज़ीलैंड के उभरते हुए तेज़ गेंदबाज़ ज़ैकरी फ़ॉल्क्स (11 स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर) को भी उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। ज़िम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रज़ा टी 20 आई ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, जबकि कोएट्ज़ी इस हफ़्ते सबसे ज़्यादा चर्चा में रहे; न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज़ में आठ विकेट लेने और 18 रन बनाने के बाद वह 14 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 72वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

## मनिका बत्रा,श्रीजा अकुला ने विपरीत प्रदर्शन किया

**मकाऊ,01अप्रैल 2026।** मकाऊ में इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे दिन, भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला का प्रदर्शन एक-दूसरे से बिल्कुल अलग रहा। महिलाओं के मुकाबले में दुनिया की 47वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने, ऱ्र की दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी लिली झांग को 3-2 (11-7, 11-2,14-16, 5-11, 11-6) से हराया। मनिका शुरू में पूरी तरह हावी थीं और ऐसा लग रहा था कि वह सीधे गेम में ही मैच जीत लेंगी, लेकिन लिली ने शानदार वापसी करते हुए तीसरे गेम में टाई-ब्रेक करवाया और चौथा गेम भी जीतकर मैच को निर्णायक पांचवें गेम तक खींच लिया। तीन बार की ओलंपियन बत्रा ने दबाव में भी अपनी काबिलियत साबित की और टूर्नामेंट के अपने आखिरी ग्रूप स्टेज मैच में जीत हासिल की। दूसरी ओर,44 वें नंबर की खिलाड़ी अकुला ने पुर्तगाल की फू यू के खिलाफ पहले गेम में जीत हासिल करके अच्छी शुरुआत की, लेकिन वह दुनिया की 48 वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ 1-3 (8-11, 11-9, 15-13, 11-8) से हार गईं।

## भारत ने जीत के साथ एशियन कप क्वालिफायर्स का शानदार अंत किया

**कोच्चि,01अप्रैल 2026।** भारत ने कोच्चि में जीत का अपना इंतज़ार खत्म करते हुए, मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हांगकांग को 2-1 से हराकर एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालिफायर्स के फाइनल राउंड के ग्रूप अभियान का शानदार अंत किया। डेब्यू करने वाले रयान विलियम्स और लेफ्ट-बैक आकाश मिश्रा के दोनों हाफ में किए गए शुरुआती गोलों ने यह पक्का कर दिया कि ब्लू टाइगर्स क्वालिफाइंग अभियान में अपनी पहली जीत हासिल कर लें। भारत ने अपना अभियान पांच अंकों के साथ खत्म किया, जिसमें एक जीत, दो ड्रॉ और तीन हार शामिल थीं। एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार, सिंगापुर 14 अंकों के साथ ग्रूप में शीर्ष पर रहा और एशियन कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। मुख्य कोच खालिद जमील ने रयान विलियम्स को लंबे समय से प्रतीक्षित डेब्यू का मौका दिया, जबकि बिजोय वर्गीस ने भी बेंच से उतरकर भारत के लिए अपना पहला मैच खेला। भारत ने खेल की शुरुआत ज़बरदस्त तरीके से की, जिसमें रयान विलियम्स ने चौथे ही मिनट में गोल करके अपने डेब्यू को यादगार बना दिया। दाहिने फ्लैंक से तेज़ी से आगे बढ़ते हुए, अभिषेक सिंह टेकचम ने एक सटीक पास दिया जिससे मनवीर सिंह को आगे बढ़ने का मौका मिला; मनवीर ने गेंद को विलियम्स की ओर बढ़ाया,जिन्होंने गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोल में डाल दिया और स्कोरिंग की शुरुआत की।

# नक्सलवाद से मुक्त हुआ छत्तीसगढ़ : सीएम साय

## बस्तर पिछले 4 दशकों से विकास की मुख्य धारा से दूर था, साय ने जगन्नाथ मंदिर में की पूजा

**रायगढ़,01 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एक दिवसीय दौरे पर रायगढ़ पहुंचे। दोपहर में उन्होंने राजपारा स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि,31 मार्च का दिन नक्सलवाद के खिलाफ ऐतिहासिक दिन रहा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म करने की डेडलाइन तय की थी। जवानों के अदम्य साहस और सरकार के प्रयासों से छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त हुआ है।

**जवानों के साहस से संभव हुआ समाधान :** सीएम साय ने कहा कि,नक्सलवाद का खात्मा सरकार के लिए बड़ी चुनौती था। लोगों को विश्वास नहीं था कि कभी इस समस्या का समाधान हो सकेगा। डबल इंजन की सरकार और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से यह संभव हो पाया है।

### प्रतिभाशाली 8 बच्चों को किया सम्मानित

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने उत्कल समाज की सुविधा पुस्तक का विमोचन किया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 8 प्रतिभाशाली बच्चे तनु गुरु, सर्वोदय गुप्ता,रोशन कुमार होता, उत्तनति मिश्रा, अपूर्वा गुरु,अन्नया गुरु, नंदकिशोर सतपथी और निशांत नामदेव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा, झारसुगुड़ा विधायक टंकाधर त्रिपाठी,उत्कल विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश मिश्रा और रायगढ़ महापौर जीवर्धन चौहान समेत समाज के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

### बस्तर क्षेत्र के विकास पर दिया जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि,बस्तर क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से केरल से भी बड़ा है और प्राकृतिक रूप से बेहद सुंदर है। नक्सलवाद के कारण पिछले चार दशकों से बस्तर क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से दूर था। वहां सड़क,बिजली,पानी और राशन जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं थीं। अब नक्सलवाद खत्म होने के बाद इन क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य किए जाएंगे।

### छत्तीसगढ़ और ओडिशा का पुराना रिश्ता

मुख्यमंत्री उत्कल सांस्कृतिक सेवा समिति की तरफ से आयोजित उत्कल दिवस एवं वार्षिकोत्सव स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा का बहुत पुराना और मजबूत रिश्ता है। उन्होंने बताया कि पुरी में होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की तरह छत्तीसगढ़ के कई गांवों में भी रथयात्रा निकाली जाती है।

### गांव चलो अभियान पर भी बोले मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने भाजपा के 'गांव चलो अभियान' को लेकर कहा कि, पार्टी संगठन हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहता है। 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस है। इस दिन से लेकर भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल तक पार्टी के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क करेंगे और सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे।

# छत्तीसगढ़ में रजिस्ट्री सस्ती,टोल महंगा

## प्लास्टिक बोतल में बिकेगी शराब,3 महीने का चावल एक साथ,टोल प्लाजा में कैश ट्रांजैक्शन बंद

**रायपुर,01 अप्रैल 2026।** 1 अप्रैल 2026 से नया वित्तीय वर्ष शुरू होते ही देशभर में कई बड़े बदलाव लागू हो गए हैं,जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। नए टैक्स सिस्टम के लागू होने से टैक्स प्रक्रिया बदली है, वहीं हाईवे पर सफर करना अब महंगा हो गया है, क्योंकि टोल दरों में तक बढ़ोतरी की गई है। इस बीच छत्तीसगढ़ में भी राहत और बदलाव दोनों साथ नजर आ रहे हैं। राज्य में प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री सस्ती हो गई है। राशन दुकानों में अब तीन महीने का चावल एक साथ मिलेगा और नई आबकारी नीति के तहत शराब अब प्लास्टिक बोतलों में बिकेगी। 1 अप्रैल से देश में नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा,जो 1961 के पुराने आयकर अधिनियम की जगह लेगा। इस नए कानून के तहत टैक्स सिस्टम को सरल बनाने की कोशिश की गई है। गैर-ऑडिट करदाताओं के लिए ITR-3 और ITR-4 दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है, जिससे टैक्सपेयर्स को राहत मिलेगी। अब तक लागू व्यवस्था में वित्तीय वर्ष और आकलन वर्ष अलग-अलग होते थे,जिससे अक्सर भ्रम की स्थिति बनती थी। नए प्रावधान में इस व्यवस्था को खत्म कर सिर्फ 'टैक्स वर्ष' लागू किया गया है। यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि को टैक्स वर्ष 2026-27 कहा जाएगा,जिससे टैक्स प्रक्रिया को आसान और

स्पष्ट बनाने की कोशिश की गई है। देशभर के टोल प्लाजा पर कैश ट्रांजेक्शन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। अब टोल टैक्स का भुगतान केवल FASTag या UPI जैसे डिजिटल माध्यमों से ही किया जा सकेगा, जिससे टोल सिस्टम को पूरी तरह कैशलेस बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस बदलाव के बाद बिना FASTag या पर्याप्त बैलेंस के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में UPI ही एकमात्र विकल्प बचेगा, क्योंकि कैश भुगतान की सुविधा पूरी तरह खत्म कर दी गई है। नए वित्तीय वर्ष से PAN और KYC से जुड़े नियमों को और सख्त किया गया है। बैंक खाते,निवेश और टैक्स से जुड़े सभी लेनदेन में पहचान सत्यापन अनिवार्य रहेगा,जिससे बिना वैरिफिकेशन के ट्रांजैक्शन पर रोक लगेगी। इस कदम का मकसद फर्जी खातों पर नियंत्रण और टैक्स चोरी पर लगाम कसना है।

# फर्जी मैरिज ब्यूरो का भंडाफोड़...2286 युवतियों की फोटो से लाखों की ठगी,युवक-युवती गिरफ्तार

**राजनांदगांव,01 अप्रैल 2026।** राजनांदगांव में एक फर्जी मैरिज ब्यूरो का खेल पुलिस ने बेनकाब किया। लव लाइफ रिश्ते मैरिज ब्यूरो के संचालकों ने सोशल मीडिया और इंटरनेट से 2286 युवतियों की फोटो डाउनलोड कर फर्जी प्रोफाइल बनाई। इन फर्जी प्रोफाइल के जरिए युवकों को शादी का झांसा देकर मोटी रकम वसूल की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा को एक गुमनाम शिकायत मिली थी। उनकी निगरानी में एडिशनल एसपी कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन (आईपीएस) की टीम ने जांच शुरू की। जांच के बाद बसंतपुर थाना पुलिस ने लव लाइफ रिश्ते मैरिज ब्यूरो में छापा मारा और संचालिका

नेहा पाठक 23 वर्ष और धर्मेन्द्र मानिकपुरी 32 वर्ष को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने युवकों को रजिस्ट्रेशन, पैकेज और फैमिली मीटिंग के नाम पर 30-40 हजार रुपये तक की ठगी की। पिछले एक साल के बैंक स्टेटमेंट से पता चला कि कुल 37 लाख 69 हजार रुपये का लेन-देन हुआ। मौके से पुलिस ने 7 एंड्रॉइड मोबाइल,14 की-पैड मोबाइल और 9 रजिस्टर/कॉपी जब्त किए। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि ऑनलाइन मैरिज ब्यूरो या व्हाट्सएप के माध्यम से मिलने वाले विवाह प्रस्तावों पर बिना सत्यापन के कभी पैसे न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना को दें।

# 45 साल पुराने फर्जी वेतन घोटाले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

## तत्कालीन सीएमएचओ समेत सभी आरोपी बरी

**बिलासपुर,01 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने करीब 45 साल पुराने फर्जी वेतन आहरण मामले में अहम फैसला सुनाते हुए तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. सेन सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल संदेह के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जबकि इस मामले में अभियोजन पक्ष ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा। यह मामला अविभाजित मध्य प्रदेश के दौर का है, जब वर्ष 1979 से 1985 के बीच जगदलपुर स्थित स्वास्थ्य

विभाग में कथित रूप से फर्जी वेतन आहरण का आरोप लगा था। आरोप था कि डॉ. सेन और उनके अधीनस्थ कर्मचारियों ने मिलीभगत कर तीन सफाई कर्मचारियों– जयसिंह, लालमणि और मयाराम– के नाम पर फर्जी वेतन बिल बनाकर करीब 42 हजार रुपये की सरकारी राशि का गबन किया। इस मामले में जगदलपुर की विशेष अदालत ने 28 जनवरी 2002 को आरोपियों को दोषी करार देते हुए आईपीसी की विभिन्न धाराओं (420,467,468,471,120-बी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दो-दो साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी। अपील पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि मामले में कई गंभीर खामियां थीं दस्तावेजों के हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान फर्जी होने का कोई फोरेंसिक प्रमाण नहीं दिया गया। कई रिकॉर्ड केवल कार्बन कॉपी के रूप में प्रस्तुत किए गए, मूल दस्तावेज अदालत में नहीं लाए गए। कर्मचारियों के खिलाफ स्वतंत्र आपराधिक मंशा साबित नहीं हुई, वे वरिष्ठों के निर्देशों का पालन कर रहे थे। संबंधित कर्मचारियों ने स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा कि वे काम पर अनुपस्थित थे; कई ने वेतन मिलने और हस्ताक्षर करने की बात स्वीकार की।

अदालत ने कहा कि आपराधिक साजिश साबित करने के लिए ठोस और स्पष्ट प्रमाण जरूरी होता है। संदेह कितना भी गहरा क्यों न हो, वह प्रमाण का स्थान नहीं ले सकता। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को निरस्त करते हुए सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है।

# अमित जोगी की मांग पर अंतिम सुनवाई टली,अंतिम सुनवाई आज होगी

**बिलासपुर, 01 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड मामले में आज हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अमित जोगी की ओर से अतिरिक्त समय मांगा गया, लेकिन कोर्ट ने इस मांग को

सख्ती से खारिज कर दिया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच (डीबी) में चल रही इस सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया गया कि अब मामले में और देरी नहीं की जाएगी। कोर्ट ने अगली तारीख तय करते हुए कहा कि आज इस केस में अंतिम सुनवाई की जाएगी। गौरतलब है कि साल 2003 में एनसीपी नेता राम अवतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे प्रदेश में सनसनी फैल गई थी। इस मामले में 2007 में निचली अदालत ने 28 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जबकि अमित जोगी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था। अब यह मामला हाईकोर्ट में लंबित है, जहां अंतिम बहस के बाद जल्द ही फैसला आने की संभावना जताई जा रही है। 4 जून 2003 को एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे,जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे।

# रायपुर के अस्पतालों को साहब बनकर धमका रहा है ठग! स्वास्थ्य सचिव आईएएस अमित कटारिया ने पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

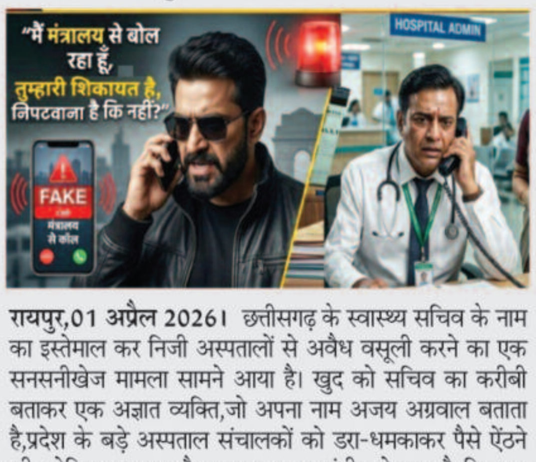


**रायपुर,01 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य सचिव के नाम का इस्तेमाल कर निजी अस्पतालों से अवैध वसूली करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। खुद को सचिव का करीबी बताकर एक अज्ञात व्यक्ति,जो अपना नाम अजय अग्रवाल बताता है,प्रदेश के बड़े अस्पताल संचालकों को डरा-धमकाकर पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहा है। मामला इतना गंभीर हो गया है कि खुद स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया को पुलिस कमिश्नर से इसकी लिखित शिकायत करनी पड़ी है । दरअसल,यह पूरा खेल शिकायत के नाम पर खेला जा रहा है। ठग अस्पताल संचालकों को फोन करता है और कहता है कि आपके अस्पताल के खिलाफ मंत्रालय में शिकायत आई है, जिसे रफा-दफा करने के बदले वह मोटी रकम की मांग करता है। मिली जानकारी और प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, इस ठग ने जाल बिछाकर कई नामी अस्पतालों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है।

**ए.एम. हॉस्पिटल, चरौदा (भिलाई):** डायरेक्टर डॉ. मनोज पोपटानी ने बताया कि उन्हें मोबाइल नंबर 9336118197 से कॉल आया और उन्हें मंत्रालय तक बुलाया गया।

**गंगोत्री अस्पताल, दुर्ग:** संचालक डॉ. ओम प्रकाश कराडे को भी इसी तरह डराकर धन उगाही का प्रयास किया गया ।

# राजधानी में डबल मर्डर: पूर्व पुलिसकर्मी ने पत्नी और सौतेली बेटी को कुल्हाड़ी से वारकर उतारा मौत के घाट

**रायपुर,01 अप्रैल 2026।** राजधानी में डबल मर्डर की वारदात से सनसनी फैल गई है। घटना विधानसभा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेमरिया गांव की है,जहां एक पूर्व पुलिसकर्मी ने अपनी ही पत्नी और सौतेली बेटी की कुल्हाड़ी से वारकर निर्मम हत्या कर दी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आरोपी गुलाब साहू ने आज सुबह करीब 7 बजे पारिवारिक विवाद और चरित्र शंका के चलते इस वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि गुलाब साहू और लता साहू ने करीब चार साल पहले दूसरी शादी की थी। चित्रा (22

वर्षीय) लता की पहले पति से बेटी थी। सौतेली बेटी चित्रा का किसी युवक के साथ आना-जाना था, जिससे आरोपी गुलाब नाराज रहता था। इसी बात को लेकर कई बार परिवार में विवाद होता था। इस दौरान मृतका की मां लता अपनी बेटी चित्रा का बचाव करती थी। आज सुबह गुलाब और बेटी चित्रा के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान आरोपी ने आक्रोश में आकर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वारकर उसकी हत्या कर दी। वहीं, बीच-बचाव करने आई पत्नी की भी मौत के घाट उतार दिया और फिर उसने खुद थाने जाकर पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। इस दिल दहला देने वाली वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया है। वारदात की सूचना मिलते ही विधानसभा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है और वारदात के कारणों की विस्तृत जांच में जुट गई है।

# कलेक्टर के आदेश का फर्जी हवाला देकर धड़ल्ले से बिक रहा चिकन,खतरे के बीच बड़ी लापरवाही

**बिलासपुर,01 अप्रैल 2026।** न्यायधानी के सिलपहरी क्षेत्र से प्रशासन की नाक के नीचे सुरक्षा नियमों को ताक पर रखने वाली एक बेहद चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है, जहाँ निर्मल पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे के बावजूद खुलेआम चिकन काटकर बेचा जा रहा है। बिलासपुर के शासकीय कुक्कुट फार्म में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद पूरे इलाके में चिकन और अंडों की बिक्री पर प्रतिबंध है। एक ओर जहां संक्रमण को रोकने के लिए पूरे शहर और ग्रामीण इलाकों की चिकन अंडा दुकानों पर कड़ा प्रतिबंध लगाया गया है, वहीं इस फार्म में नियमों को दरकिनार कर हो रही बिक्री ने

जनस्वास्थ्य को भारी संकट में डाल दिया है। हैरत की बात यह है कि फार्म संचालक सरेआम यह दावा कर रहा है कि उसे स्वयं कलेक्टर के आदेश से बिक्री की विशेष अनुमति प्राप्त है, हालांकि इस संदिग्ध दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। इस केंद्र पर शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग चिकन खरीदने पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे जिले में बर्ड फ्लू के फैलने का जोखिम कई गुना बढ़ गया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को इस पूरी गतिविधि की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

# कैदियों को परिजनों से बात करने वीडियो कॉल की सुविधा देने की तैयारी

**रायपुर,01 अप्रैल 2026।** जेल बंदियों के मानवीय अधिकारों और सामाजिक पुनर्वास की दिशा में जेल प्रबंधन ने बड़ा कदम उठाया है। जेल मुख्यालय और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के बीच

राज्य की सभी 33 जेलों में वीडियो एवं ऑडियो प्रिजन कॉलिंग सिस्टम स्थापित करने को लेकर एमओयू हुआ। उप मुख्यमंत्री सह जेल मंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर शुरू की गई इस पहल से अब बंदी वीडियो कॉल के जरिए स्वजन और अधिवक्ताओं से बात करने के अलावा उन्हें देख भी सकेंगे। वर्तमान में प्रदेश की केवल 17 जेलों में ऑडियो कॉलिंग की सुविधा है। नई व्यवस्था में कैदी पहले से दिए गए नंबरों पर ही बात कर सकेंगे। जेल मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि स्वजनों से दूरी बंदियों में तनाव और अवसाद पैदा करती है। यह तकनीक उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक होगी। प्रदेश के जेलों में वर्तमान में 22 हजार से अधिक कैदी हैं।

# कांग्रेस-नेता और दोस्तों ने बार संचालक को पीटा...शराब नहीं देने पर डंडे से किया हमला,पीसीसी सचिव बोले-शराब नहीं पार्किंग को लेकर हुआ था विवाद

**बिलासपुर,01 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अमिगोज बार संचालक के साथ मारपीट की गई है। आरोप है कि कांग्रेस नेता नाजिम खान और उसके दो साथियों ने बार बंद होने के बाद शराब नहीं देने को लेकर विवाद किया और जमकर मारपीट की। वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव नाजिम खान ने इन आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि विवाद बार के पीछे गाड़ी पार्किंग को लेकर हुआ था, जिसे शराब से जुड़े विवाद के रूप में गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। घटना तारबाहर थाना क्षेत्र की

है। दरअसल सिविल लाइन के भारतीय नगर निवासी मो. तौसिफ अमिगोज बार का संचालक है। उसने पुलिस को बताया कि रात करीब 12:50 बजे टिकरापारा निवासी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव नाजिम खान के लगातार फोन कॉल आ रहे थे। फोन उठाने पर नाजिम ने शराब की मांग की। इस पर तौसिफ ने बताया कि बार बंद हो चुका है और शराब उपलब्ध नहीं है। इस बात पर नाजिम खान ने फोन पर ही गाली-गलौज शुरू कर दी और बार में आकर तोड़फोड़ करने की धमकी दी। इसके बाद तौसिफ तत्काल अमिगोज बार पहुंचा,जहां नाजिम खान अपने दो साथियों सैय्यान बुखारी और सलमान खान के साथ पहले से मौजूद था। बार पहुंचने पर आरोपियों ने शराब देने के लिए कहा। तौसिफ ने मना करते हुए बार बंद होने की कही। इस पर उन्होंने कहा कि शराब पीने के लिए पैसे दे दो, हम बाहर से खरीद लेंगे। तौसिफ ने पैसे देने से इनकार किया। इस पर नाजिम उसके साथी सैय्यान बुखारी और सलमान खान भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इस दौरान नाजिम ने डंडे से तौसिफ के सिर (कनपटी) पर वार किया, जबकि उसके दोनों साथी सैय्यान बुखारी और सलमान खान ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इसी बीच पुलिस पेट्रोलिंग वाहन का सायरन सुनकर तीनों आरोपी अपनी कार छोड़कर मौके से फरार हो गए।

# जांजगीर में बुजुर्ग दंपती की गला रेतकर हत्या,लूट के बाद इलाके में भारी तनाव

**जांजगीर-चांपा,01 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां मंगलवार की देर रात अज्ञात हमलावरों ने एक बुजुर्ग दंपती की उनके ही घर में घुसकर बेरहमी से हत्या कर दी। यह सनसनीखेज मामला मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम खपरी का है। हमलावरों ने घर में सो रहे 62 वर्षीय संतराम साहू और उनकी पत्नी श्याम बाई साहू पर धारदार हथियार से हमला किया और उनका गला रेत दिया। वारदात इतनी वीभत्स थी कि कमरे की दीवारों और फर्श पर चारों तरफ खून

बिखरा हुआ था। प्राथमिक दृष्टि में यह मामला लूटपाट का लग रहा है क्योंकि घर से कीमती जेवरात और नकदी गायब मिली है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों का मुख्य उद्देश्य लूटपाट करना ही था। बताया जा रहा है कि घर से लगभग 70 से 80 हजार रुपये के सोने-चांदी के जेवरात गायब हैं। विशेष रूप से मृतिका श्याम बाई के गले से सोने का भारी हार गायब मिला है, जिसे अक्सर वह पहनकर रहती थीं। संतराम साहू खेती-किसानी के साथ-साथ एक पान की दुकान भी चलाते थे। हाल ही में 28 मार्च को उनके बड़े पोते की शादी संपन्न हुई थी, जिसके कारण घर में उत्सव का माहौल था और शायद इसी वजह से घर में गहने और नकदी मौजूद होने की सूचना हमलावरों को थी। वारदात वाली जगह पर पुलिस को कुछ ऐसी चीजें मिली हैं जिन्होंने जांच टीम को भी हैरान कर दिया है। घटनास्थल से पुलिस ने एक 'होली का मुखौटा' और 'नकली बाल' (विग) बरामद किए हैं। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए इन स्वांगों का इस्तेमाल किया था ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। इसके अलावा, फर्श और घर के बाहर सड़क पर खून से सने पैरों के निशान भी मिले हैं। इन निशानों की दिशा और गहराई को देखते हुए फॉरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस जघन्य हत्याकांड में एक से अधिक अपराधी शामिल रहे होंगे। इस खौफनाक हत्याकांड का खुलासा तब हुआ जब बुजुर्ग दंपती का बड़ा बेटा हरिशंकर साहू सुबह-सुबह अपने पिता के घर पहुंचा। वह खेत में दवाई का छिड़काव करने के लिए पिता से मिलने आया था। घर का मुख्य दरवाजा खुला देखकर उसे कुछ अनहोनी की आशंका हुई। जैसे ही वह कमरे के भीतर दाखिल हुआ, उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने देखा कि उसके पिता का शव जमीन पर और मां का शव खाट पर लहूलुहान अवस्था में पड़ा था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)